खण्ड-463, अंक-1
शुक्रवार, 29 वैशाख, शक संवत् 1929
(18 मई, 2007 ई0)

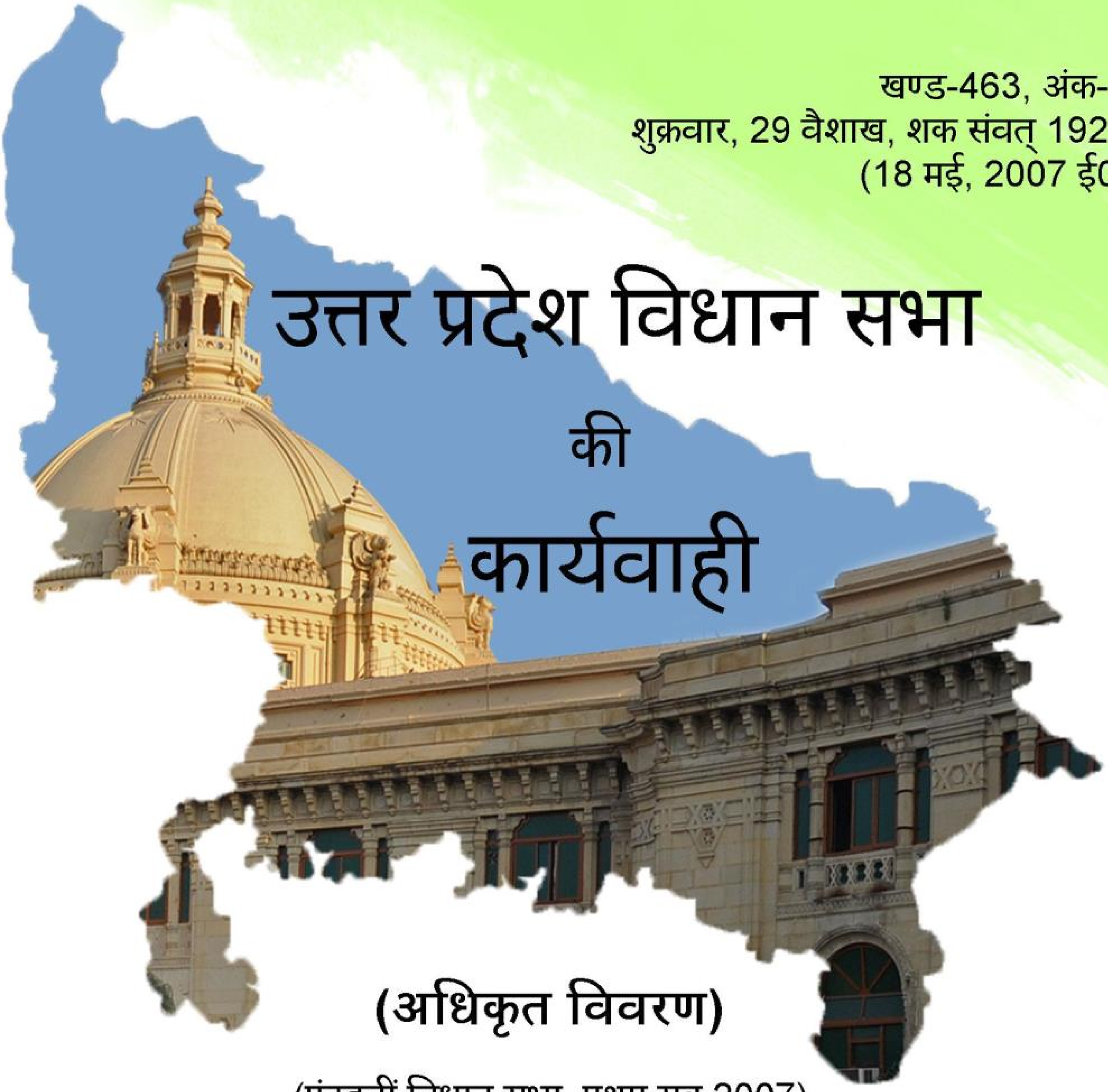

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

(पंद्रहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र 2007)

खण्ड 463 में 4 अंक है

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक:
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
2007

मूल्य : बिना महसूल रु0 16.75 पैसे, महसूल सहित रु0 21.00 पैसे |
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल रु0 586.25 रुपये, महसूल सहित रु0 724.25 रुपये |

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
पन्द्रहवीं विधान सभा के सदस्यों की सूची महामहिम श्री राज्यपाल, मंत्रि-परिषद्, नेता विरोधी दल, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल की सूची	क-ढ
उपस्थित सदस्य	ण-न
श्री राज्यपाल द्वारा पन्द्रहवीं विधान सभा के अस्थायी अध्यक्ष श्री श्यामदेव राय चौधरी को नियुक्त किये जाने के सम्बन्ध में सूचना ...	1
विधान सभा अध्यक्ष का निर्वाचन	1-2
विधान सभा के नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री सुखदेव राजभर को बधाई ...	2-14
विधान सभा का निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने पर सभी सदस्यों को श्री अध्यक्ष का धन्यवाद	14-16

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा
पन्द्रहवीं विधान सभा के सदस्यों की सूची

---

1. अंगद यादव, श्री — आजमगढ़
2. अकबर हुसैन, श्री — मुरादाबाद
3. अकीलुर्रहमान, श्री — मुरादाबाद
4. अखिलेश कुमार सिंह, श्री — रायबरेली
5. अजय कपूर, श्री — कानपुर नगर
6. अजय तोमर, डा0 — बागपत
7. अजय पाल सिंह, कुंवर — रायबरेली
8. अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भइया, श्री — गोण्डा
9. अजय यादव, श्री — एटा
10. अजय राय, श्री — वाराणसी
11. अजय सिंह, श्री — जालौन
12. अनिल कुमार, श्री — कन्नौज
13. अनिल कुमार, श्री — बुलन्दशहर
14. अनिल कुमार, श्री — मुजफ्फरनगर
15. अनिल कुमार अहिरवार, श्री — महोबा
16. अनिल कुमार मौर्य, श्री — मिर्जापुर
17. अनिल कुमार सिंह यादव, श्री — एटा
18. अनिल चौधरी, डा0 — हाथरस (महामायानगर)
19. अनीस अहमद खाँ उर्फ फूलबाबू, श्री — पीलीभीत
20. अनुग्रह नारायण सिंह, श्री — इलाहाबाद
21. अनूप कुमार गुप्ता, श्री — सीतापुर
22. अनूप सण्डा, श्री — सुल्तानपुर
23. अब्दुल कलाम, श्री — सन्तकबीरनगर
24. अब्दुल मन्नान, श्री — हरदोई
25. अब्दुल वारिस खाँ, श्री — मुजफ्फरनगर
26. अब्दुल समद अंसारी हाजी, श्री — वाराणसी
27. अब्बास अली जैदी उर्फ रूश्दी मियां, श्री — फैजाबाद
28. अमरमणि त्रिपाठी, श्री — महराजगंज
29. अमरेश कुमार शुक्ल, श्री — बाराबंकी
30. अमीता सिंह, श्रीमती — सुल्तानपुर
31. अम्बिका चौधरी, श्री — बलिया
32. अम्बिका सिंह, श्री — गोरखपुर
33. अमेरिका, श्री — गाजीपुर
34. अयोध्या प्रसाद पाल, श्री — फतेहपुर
35. अरविन्द कुमार सिंह 'गोप', श्री — बाराबंकी
36. अरविन्द गिरि, श्री — लखीमपुर खीरी
37. अरविन्द सिंह, श्री — कन्नौज
38. अरशद खान, श्री — पीलीभीत
39. अरूण कुमार यादव, श्री — आजमगढ़
40. अरूणा तोमर, श्रीमती — कानपुर नगर
41. अर्चना सरोज, श्रीमती — सन्तरविदास नगर (भदोही)
42. अलाउद्दीन, श्री — बलरामपुर
43. अवध पाल सिंह यादव, श्री — एटा
44. अवधेश कुमार वर्मा, श्री — शाहजहाँपुर
45. अवधेश प्रसाद, श्री — फैजाबाद
46. अवनीन्द्र नाथ द्विवेदी उर्फ महन्त दूबे, श्री — महराजगंज
47. अवस्थी बाला प्रसाद, श्री — लखीमपुर खीरी
48. अशोक कुमार, श्री — औरैया
49. अशोक कुमार कंसल, श्री — मुजफ्फरनगर
50. अशोक कुमार राणा, श्री — बिजनौर

51. अशोक कुमार सिंह, श्री — रायबरेली
52. अशोक कुमार सिंह चन्देल, श्री — हमीरपुर
53. अशोक यादव पुत्र महेश्वर सिंह, श्री — फिरोजाबाद
54. अशोक सिंह चौहान, श्री — मैनपुरी
55. आदित्य पाण्डेय, श्री — फतेहपुर
56. आनन्द कुमार उर्फ कलेक्टर पाण्डेय, श्री — इलाहाबाद
57. आनन्द सेन, श्री — फैजाबाद
58. आर0 ए0 उस्मानी, श्री — लखीमपुर खीरी
59. आर0 के0 चौधरी, श्री — लखनऊ
60. आरिफ अनवर हाशमी, श्री — गोण्डा
61. आलोक कुमार शाक्य, श्री — मैनपुरी
62. आसिफ, श्री — हरदोई
63. इकबाल, श्री — बिजनौर
64. इकबाल महमूद, श्री — मुरादाबाद
65. इन्द्रजीत सरोज, श्री — कौशाम्बी
66. इमरान मसूद, श्री — सहारनपुर
67. इरफान सोलंकी, श्री — कानपुर नगर
68. ईश्वर चन्द्र शुक्ल, श्री — सिद्धार्थनगर
69. उदयभान करवरिया, श्री — इलाहाबाद
70. उदयराज, श्री — उन्नाव
71. उदयलाल मौर्य, श्री — वाराणसी
72. उपेन्द्र तिवारी, श्री — हरदोई
73. उमलेश यादव, श्रीमती — बदायूँ
74. उमेश पाण्डेय, श्री — मऊ
75. उस्मानुल हक, श्री — मुरादाबाद
76. ओम प्रकाश सिंह, श्री — मिर्जापुर
77. ओम प्रकाश सिंह (ओ0पी0सिंह), श्री — सुल्तानपुर
78. ओमवती देवी, श्रीमती — बिजनौर
79. कमलेश चन्द्र, श्री — कानपुर देहात
80. काजिम अली उर्फ नवेद मियां — रामपुर
81. कादिर राणा, श्री — मुजफ्फरनगर
82. कामेश्वर उपाध्याय, श्री — देवरिया
83. कालीचरन, श्री — गाजीपुर
84. काशीराम, श्री — रामपुर
85. कुवेर सिंह, श्री — एटा
86. कुलदीप सिंह गंगवार, श्री — फर्रुखाबाद
87. कुलदीप सिंह सेंगर, श्री — उन्नाव
88. कृपा शंकर सिंह, श्री — उन्नाव
89. कृष्ण कुमार, श्री — बहराइच
90. कृष्ण कुमार उर्फ सतीश वर्मा, श्री — हरदोई
91. कृष्ण गोपाल पटेल, श्री — लखीमपुर खीरी
92. कृष्णाराज, श्रीमती — लखीमपुर खीरी
93. के0 के0 सचान, डा0 — जौनपुर
94. केदारनाथ वर्मा, श्री — बलिया
95. कैलाश चौरसिया, श्री — मिर्जापुर
96. कैलाश सिंह राजपूत, श्री — कन्नौज
97. कौकब हमीद खाँ, श्री — बागपत
98. कौशल किशोर, डा0 — लखीमपुर खीरी
99. कौशलेन्द्र नाथ योगी, श्री — बलरामपुर
100. गजेन्द्र सिंह, श्री — बुलन्दशहर
101. गिरीश चन्द्र, श्री — मुरादाबाद
102. गुटियारी लाल दुबेश, श्री — आगरा
103. गुरू प्रसाद मौर्य, श्री — इलाहाबाद
104. गुलाम मोहम्मद खान, श्री — बहराइच
105. गेंदा लाल चौधरी, श्री — हाथरस (महामायानगर)
106. गौरी शंकर एडवोकेट, श्री — लखनऊ
107. घूराराम, श्री — बलिया
108. चन्द्रदेव, श्री — आजमगढ़
109. चन्द्र प्रकाश मिश्र, श्री — सुल्तानपुर
110. चन्द्रभद्र सिंह, श्री — सुल्तानपुर

111. चन्द्रमणि प्रसाद, श्री — सोनभद्र
112. चन्द्रवीर सिंह, श्री — मेरठ
113. चौधरी रविन्द्र प्रताप, श्री — सिद्धार्थनगर
114. छत्रपाल सिंह, श्री — बरेली
115. छोटे सिंह, श्री — जालौन
116. जगदीश नारायण, श्री — जौनपुर
117. जगदीश सोनकर, श्री — जौनपुर
118. जगन प्रसाद गर्ग, श्री — आगरा
119. जगपाल, श्री — सहारनपुर
120. जनार्दन प्रसाद ओझा, श्री — महराजगंज
121. जमीरउल्ला, श्री — अलीगढ़
122. जमुना निषाद, श्री — गोरखपुर
123. जयवीर सिंह, श्री — मैनपुरी
124. जयवीर सिंह, ठाकुर — अलीगढ़
125. जसवन्त सिंह उर्फ अतुल, श्री — कुशीनगर
126. जावेद अंसारी, श्री — जौनपुर
127. जितेन्द्र कुमार, श्री — चन्दौली
128. जितेन्द्र कुमार, श्री — बस्ती
129. जितेन्द्र कुमार बब्लू भइया, श्री — फैजाबाद
130. जुल्फिकार अहमद भुट्टो, श्री — आगरा
131. जोखू लाल यादव, श्री — इलाहाबाद
132. ज्योत्सना श्रीवास्तव, डा0 — वाराणसी
133. ताहिर हुसैन सिद्दीकी, श्री — फर्रूखाबाद
134. तौफीक अहमद, श्री — सिद्धार्थनगर
135. त्रिभुवन दत्त, श्री — अम्बेडकरनगर
136. दद्दन, श्री — श्रावस्ती
137. दद्दू प्रसाद, श्री — चित्रकूट
138. दयाराम, श्री — कौशाम्बी
139. दशरथ प्रसाद चौहान, श्री — सन्तकबीर नगर
140. दाउद अहमद, श्री — हरदोई
141. दिनेश प्रसाद, श्री — चित्रकूट
142. दीनानाथ कुशवाहा, श्री — देवरिया
143. दीनानाथ पाण्डेय, श्री — वाराणसी
144. दीपक कुमार, श्री — उन्नाव
145. दीप नारायण सिंह, श्री — झाँसी
146. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री — आजमगढ़
147. दूधराम, श्री — बस्ती
148. धनंजय सिंह, श्री — जौनपुर
149. धनीराम, श्री — औरैया
150. धर्मपाल, श्री — गाजियाबाद
151. धर्मपाल यादव डी0पी0 यादव, श्री — बदायूँ
152. धर्मपाल सिंह, डा0 — आगरा
153. धर्मराज निषाद, श्री — अम्बेडकरनगर
154. धर्म सिंह सैनी, डा0 — सहारनपुर
155. धर्मी रावत, श्री — बाराबंकी
156. धर्मेन्द्र कुमार कश्यप, श्री — बरेली
157. धीरेन्द्र प्रताप सिंह, श्री — बलरामपुर
158. धू राम लोधी चौधरी, श्री — हमीरपुर
159. नकुल दूबे, श्री — लखनऊ
160. नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी', श्री — इलाहाबाद
161. नन्दिता शुक्ला, श्रीमती — गोण्डा
162. नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री — हरदोई
163. नरेन्द्र सिंह, श्री — फर्रूखाबाद
164. नरेन्द्र सिंह, श्री — सीतापुर
165. नसीरुद्दीन, श्री — फिरोजाबाद
166. नाथू राम कुशवाहा 'इंजीनियर', श्री — ललितपुर
167. नारायण सिंह, श्री — आगरा
168. निर्मल वर्मा, श्री — सीतापुर
169. नीरज कुशवाहा, श्री — शाहजहाँपुर
170. पंकज कुमार, श्री — मुजफ्फरनगर
171. पशुपति, श्री — गाजीपुर
172. पी0 के0 राय, डा0 — कुशीनगर

उत्तर प्रदेश विधान सभा

173. पुरुषोत्तम नरेश द्विवेदी, श्री — बाँदा
174. पूजा पाल, श्रीमती — इलाहाबाद
175. पूरन प्रकाश, श्री — मथुरा
176. प्रजापालन, श्री — एटा
177. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती — कानपुर देहात
178. प्रदीप जैन 'आदित्य', श्री — झाँसी
179. प्रदीप माथुर, श्री — मथुरा
180. प्रमोद कुमार, श्री — प्रतापगढ़
181. प्रमोद सिंह, श्री — देवरिया
182. प्रवीण पटेल, श्री — इलाहाबाद
183. प्रेमलता कटियार, श्रीमती — कानपुर नगर
184. प्रेमलता देवी, श्रीमती — अलीगढ़
185. फतेह बहादुर, श्री — महराजगंज
186. फरहत हसन, श्री — ज्योतिबाफूलेनगर
187. फरीद महफूज किदवई, श्री — बाराबंकी
188. फसीहा बशीर चौधरी (गजाला लारी), श्रीमती — देवरिया
189. फागू, श्री — मऊ
190. बजरंग बहादुर सिंह, श्री — महराजगंज
191. बलबीर, श्री — मुजफ्फरनगर
192. बादशाह सिंह, श्री — हमीरपुर
193. बिमलेश सिंह, सुश्री — अलीगढ़
194. बिरजू राम, श्री — जौनपुर
195. बृजेश सौरभ, श्री — प्रतापगढ़
196. बैजनाथ दूबे, श्री — गोण्डा
197. ब्रम्हाशंकर, श्री — देवरिया
198. भगवत शरण गंगवार, श्री — बरेली
199. भगवती प्रसाद सागर, श्री — झाँसी
200. भगवान दास, श्री — सन्तकबीरनगर
201. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री — आगरा
202. भगेलू राम, श्री — सुल्तानपुर
203. भीमराव अम्बेडकर, श्री — इटावा
204. भोला, श्री — आजमगढ़
205. मंजू, श्रीमती — बलिया
206. मदन भैया, श्री — बागपत
207. मदन चौहान, श्री — गाजियाबाद
208. मधुसूदन शर्मा, श्री — आगरा
209. मनोज चौधरी, श्री — सहारनपुर
210. ममतेश, श्री — एटा
211. मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री — रायबरेली
212. महबूब अली, श्री — ज्योतिबाफूलेनगर
213. महिपाल सिंह, श्री — सहारनपुर
214. महेन्द्र कुमार सिंह, श्री — सीतापुर
215. महेन्द्र सिंह, श्री — अलीगढ़
216. महेन्द्र सिंह राजपूत, श्री — इटावा
217. महेश चन्द्र, श्री — कानपुर देहात
218. महेश चन्द्र, श्री — बदायूँ
219. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री — सिद्धार्थनगर
220. माधव पासवान, श्री — गोरखपुर
221. मिथिलेश कुमार, श्री — शाहजहाँपुर
222. मिथलेश कुमारी, श्रीमती — कानपुर देहात
223. मीता गौतम, कु0 — बाराबंकी
224. मुख्तार अंसारी, श्री — मऊ
225. मुरलीधर, श्री — फतेहपुर
226. मुलायम सिंह यादव, श्री — इटावा
227. मुस्लिम खाँ, श्री — बदायूँ
228. मो0 अलीम खां, श्री — बुलन्दशहर
229. मोहम्मद आजम खां, श्री — रामपुर
230. मोहम्मद इरशाद खान, श्री — लखनऊ
231. मोहम्मद गाजी, श्री — बिजनौर
232. मोहम्मद जलील खान, श्री — गोण्डा
233. मोहम्मद जासमीर अंसारी, श्री — सीतापुर
234. मोहम्मद ताबीश, श्री — सन्तकबीरनगर
235. मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी, श्री — इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश विधान सभा

236. यशपाल सिंह, श्री — बिजनौर
237. यशपाल सिंह चौहान, श्री — हाथरस
238. यशवन्त, श्री — मुजफ्फरनगर
239. यसपाल सिंह रावत, श्री — गोरखपुर
240. याकूब हाजी, श्री — मेरठ
241. योगराज सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
242. योगेन्द्र सागर अनू, श्री — बदायूँ
243. योगेश वर्मा, श्री — मेरठ
244. रंगनाथ मिश्र, श्री — सन्तरविदासनगर(भदोही)
245. रघुनाथ प्रसाद, श्री — कानपुर देहात
246. रघुराज प्रताप सिंह, श्री — प्रतापगढ़
247. रतनजीत प्रताप नारायण सिंह, कुंवर — कुशीनगर
248. रतनलाल अहिरवार, श्री — झाँसी
249. रमापति उर्फ रमाकान्त, श्री — कुशीनगर
250. रमेश चन्द्र, श्री — गोण्डा
251. रमेश चन्द्र बिन्द, डा0 — मिर्जापुर
252. रविन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री — जौनपुर
253. रवीन्द्र कुमार (मोल्हू), श्री — सहारनपुर
254. राकेश कुमार, श्री — महोबा
255. राकेश धर त्रिपाठी, डा0 — इलाहाबाद
256. राकेश बाबू, श्री — फिरोजाबाद
257. राघव लखन पाल, श्री — सहारनपुर
258. राजकिशोर सिंह, श्री — बस्ती
259. राजकुमार सिंह, श्री — गाजीपुर
260. राजकुमार रावत, श्री — मथुरा
261. राजपाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
262. राजपाल सिंह, श्री — गाजियाबाद
263. राजबली जैसल, श्री — इलाहाबाद
264. राजाराम, श्री — रायबरेली
265. राजीव कुमार सिंह, श्री — बाराबंकी
266. राजीव चन्ना, श्री — मुरादाबाद
267. राजेन्द्र कुमार, श्री — मऊ
268. राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, श्री — प्रतापगढ़
269. राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, श्री — बस्ती
270. राजेन्द्र सिंह, श्री — आगरा
271. राजेन्द्र सिंह उर्फ पहलवान सिंह, श्री — गोरखपुर
272. राजेश अग्रवाल, श्री — बरेली
273. राजेश कुमार, श्री — लखीमपुर खीरी
274. राजेश त्रिपाठी, श्री — गोरखपुर
275. राजेश यादव, श्री — शाहजहाँपुर
276. राजेश्वरी, श्रीमती — हरदोई
277. राधाकृष्ण उर्फ आर0के0 शर्मा, श्री — बरेली
278. राधामोहन दास अग्रवाल, डा0 — गोरखपुर
279. राधे लाल रावत, श्री — उन्नाव
280. राधे श्याम गुप्ता, श्री — फतेहपुर
281. राधेश्याम जायसवाल, श्री — सीतापुर
282. राम अचल राजभर, श्री — अम्बेडकरनगर
283. राम किशुन, श्री — चन्दौली
284. राम कुमार तिवारी, पण्डित — ललितपुर
285. रामपाल राजवंशी, श्री — सीतापुर
286. रामपाल वर्मा, श्री — हरदोई
287. राम प्रकाश कुशवाहा, श्री — कानपुर नगर
288. राम प्रकाश यादव, श्री — फिरोजाबाद
289. राम प्रसाद चौधरी, श्री — बस्ती
290. राम प्रसाद जायसवाल, श्री — देवरिया
291. राम बिशुन आजाद, श्री — गोण्डा
292. रामवीर उपाध्याय, श्री — हाथरस
293. राम शिरोमणि शुक्ल, श्री — प्रतापगढ़
294. राम सागर अकेला, श्री — श्रावस्ती
295. राम सिंह, श्री — अलीगढ़
296. रामसेवक, श्री — सुल्तानपुर
297. राम सेवक सिंह पटेल, श्री — बदायूँ

उत्तर प्रदेश विधान सभा

298. रामस्वरूप सिंह, श्री — कानपुर देहात
299. रामहेत भारती, श्री — सीतापुर
300. रिजवान अहमद खाँ, श्री — ज्योतिबाफूलेनगर
301. रियाज अहमद, श्री — पीलीभीत
302. रोशन लाल, श्री — शाहजहाँपुर
303. लक्ष्मी नारायण, श्री — मथुरा
304. लखीराम नागर, श्री — मेरठ
305. लल्लू सिंह, श्री — फैजाबाद
306. लालजी टण्डन, श्री — लखनऊ
307. लालजी यादव, श्री — सिद्धार्थनगर
308. लालजी वर्मा, श्री — अम्बेडकरनगर
309. वकार अहमद शाह, डा0 — बहराइच
310. वाचस्पति, श्री — कौशाम्बी
311. वारिस अली, श्री — बहराइच
312. वासुदेव सिंह, श्री — बुलन्दशहर
313. विजय कुमार, श्री — गाजीपुर
314. विजय कुमार उर्फ विजय यादव, श्री — मुरादाबाद
315. विजय कुमार मिश्र, श्री — सन्त कबीरनगर (भदोही)
316. विजय पाल सिंह, श्री — बरेली
317. विजय बहादुर यादव, श्री — गोरखपुर
318. विजय सिंह, श्री — फर्रुखाबाद
319. विद्या चौधरी, श्रीमती — आजमगढ़
320. विद्यासागर गुप्त, श्री — लखनऊ
321. विनोद कुमार, श्री — प्रतापगढ़
322. विनोद सिंह, श्री — सुल्तानपुर
323. विनोद कुमार हरित, श्री — मेरठ
324. विनोद चतुर्वेदी, श्री — जालौन
325. विवेक कुमार सिंह, श्री — बांदा
326. विशम्भर प्रसाद, श्री — बांदा
327. विशम्भर सिंह यादव, श्री — बांदा
328. विश्वनाथ, श्री — कुशीनगर
329. वीरेन्द्र कुमार, श्री — हरदोई
330. वीरेन्द्र सिंह, श्री — बरेली
331. वीरेन्द्र सिंह सिरोही, श्री — बुलन्दशहर
332. वेदराम भाटी, श्री — बुलन्दशहर
333. शब्बीर अहमद, श्री — बहराइच
334. शम्भू चौधरी, श्री — कुशीनगर
335. शहजिल इस्लाम अंसारी, श्री — बरेली
336. शारदा प्रसाद, श्री — चन्दौली
337. शहनवाज, श्री — बिजनौर
338. शाहिद मंजूर, श्री — मेरठ
339. शिव गणेश, श्री — रायबरेली
340. शिवपाल सिंह यादव, श्री — इटावा
341. शिवबालक पासी, श्री — रायबरेली
342. शिवशंकर, श्री — बलिया
343. शीशराम, श्री — बिजनौर
344. शेखर, श्री — औरैया
345. शेरबहादुर, श्री — अम्बेडकरनगर
346. शैलेन्द्र यादव 'ललई', श्री — जौनपुर
347. श्यामदेव राय चौधरी, श्री (दादा) — वाराणसी
348. श्याम नरायण, श्री — आजमगढ़
349. श्याम लाल, श्री — बलरामपुर
350. श्याम सुन्दर शर्मा, श्री — मथुरा
351. श्रीपति, श्री — महराजगंज
352. श्रीभगवान, श्री — बलिया
353. श्रीभगवान शर्मा, श्री — बुलन्दशहर
354. संग्राम सिंह, श्री — बाराबंकी
355. संजय, श्री — प्रतापगढ़
356. संजय कपूर, श्री — रामपुर
357. संजीव दरियाबादी, श्री — कानपुर नगर
358. संदीप अग्रवाल, श्री — मुरादाबाद
359. संध्या, कुमारी — मैनपुरी

उत्तर प्रदेश विधान सभा

360. सतीश महाना, श्री — कानपुर नगर
361. सत्य नारायण जैसल, श्री — सोनभद्र
362. सत्यपाल सिंह, श्री — अलीगढ़
363. सत्य प्रकाश अग्रवाल (कैलाश डेरी वाले), श्री — मेरठ
364. सत्यवीर सिंह गुर्जर, श्री — गौतमबुद्धनगर
365. सत्येन्द्र, चौ0 — बागपत
366. सदल प्रसाद, श्री — गोरखपुर
367. सनातन, श्री — बलिया
368. सर्वेश कुमार सिंह सीपू, श्री — आजमगढ़
369. सलिल विश्नोई, श्री — कानपुर नगर
370. सिनोद कुमार शाक्य (दीपू भइया), श्री — बरेली
371. सिवगतुल्लाह अंसारी, श्री — गाजीपुर
372. सीमा, श्रीमती — जौनपुर
373. सुखदेव प्रसाद वर्मा, श्री — फतेहपुर
374. सुखदेव राजभर, श्री — आजमगढ़
375. सुखलाल, श्री — पीलीभीत
376. सुधीर कुमार, श्री — उन्नाव
377. सुनील कुमार शर्मा, श्री — गाजियाबाद
378. सुन्दर लाल लोधी, श्री — उन्नाव
379. सुन्दर सिंह, श्री — बुलन्दशहर
380. सुभाष, श्री — बलिया
381. सुभाष पाण्डेय, श्री — जौनपुर
382. सुरेन्द्र प्रसाद मिश्र, श्री — आजमगढ़
383. सुरेन्द्र सिंह पटेल, श्री — वाराणसी
384. सुरेश, श्री — देवरिया
385. सुरेश कुमार खन्ना, श्री — शाहजहांपुर
386. सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री — लखनऊ
387. सुरेश चन्द्र तिवारी, श्री — लखनऊ
388. सुरेश्वर सिंह, श्री — बहराइच
389. सुल्तान बेग, श्री — बरेली
390. सुशील कुमार, श्री — चन्दौली
391. सूरजपाल ठाकुर, श्री — आगरा
392. सूरज सिंह शाक्य, श्री — एटा
393. सूर्यभान, श्री — मिर्जापुर
394. सैय्यदा शादाब फातिमा, श्रीमती — गाजीपुर
395. सोबरन सिंह, श्री — मैनपुरी
396. हरगोविन्द भार्गव, डा0 — सीतापुर
397. हरपाल सिंह, श्री — मुरादाबाद
398. हरिओम, श्री — जालौन
399. हसरत उल्ला, श्री — एटा
400. हुकुम सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
401. होराम सिंह, श्री — गौतमबुद्धनगर
*402. रिक्त — मनोनीत
**403. रिक्त — फतेहपुर
***404. रिक्त — बदायूं

** चुनाव स्थगित होने के कारण रिक्त।

*** श्री मुलायम सिंह यादव द्वारा दिनांक 16 मई, 2007 के अपराह्न से त्याग-पत्र के फलस्वरूप।

नोट- दिनांक 16 मई, 2007 तक यथा संशोधित।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

महामहिम राज्यपाल
श्री टी0 वी0 राजेस्वर
मंत्रि-परिषद्

मंत्री

क्रमांक	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1	2	3
1	कुमारी मायावती	सामान्य प्रशासन, सचिवालय प्रशासन, गृह, गोपन, सतर्कता, कार्मिक, नियुक्ति, वित्त, न्याय, विधायी, नियोजन, प्रोटोकाल, नागरिक उड्डयन, राज्य सम्पत्ति, उत्तर प्रदेश पुनर्गठन समन्वय, राजनैतिक पेंशन, भाषा, सूचना, वाह्य सहायतित परियोजना, नागरिक सुरक्षा, औद्योगिक विकास, प्रशासनिक सुधार, कार्यक्रम कार्यान्वयन, राष्ट्रीय एकीकरण, कृषि शिक्षा, धर्मार्थ कार्य, मुस्लिम वक्फ, होमगार्ड्स, प्रान्तीय रक्षा दल, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, समन्वय, सार्वजनिक उद्यम, परिवार कल्याण, अवस्थापना विकास, महिला कल्याण तथा स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क।
2	श्री सतीश चन्द्र मिश्रा	मुख्य मंत्री जी से सम्बद्ध
3	श्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी	आबकारी, लोक निर्माण, सिंचाई, आवास एवं शहरी नियोजन तथा गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग
4	श्री रामवीर उपाध्याय	ऊर्जा एवं ग्रामीण समग्र विकास
5	श्री लालजी वर्मा	संसदीय कार्य एवं चिकित्सा शिक्षा, विकलांग कल्याण
6	श्री इन्द्रजीत सरोज	समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि नीति
7	श्री ठाकुर जयवीर सिंह	माध्यमिक शिक्षा
8	श्री स्वामी प्रसाद मौर्य	राजस्व

उत्तर प्रदेश विधान सभा

क्रमांक	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
9	श्री वेदराम भाटी	श्रम एवं सेवायोजन
10	श्री लक्ष्मी नारायण	कृषि (कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात तथा कृषि विपणन को छोड़कर)
11	श्री राकेश धर त्रिपाठी	उच्च शिक्षा
12	श्री बाबू सिंह कुशवाहा	भूतत्व एवं खनिकर्म तथा पंचायती राज
13	श्री जगदीश नारायण राय	वस्त्रोद्योग एवं रेशम उद्योग
14	श्री फागू चौहान	कारागार प्रशासन एवं सुधार
15	श्री नकुल दुबे	नगर विकास (नगरीय विकास एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम को छोड़कर), पर्यावरण, संस्कृति, शहरी समग्र विकास एवं संस्थागत वित्त, कर एवं निबन्धन (स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क को छोड़कर)
16	श्री दद्दू प्रसाद	ग्राम्य विकास
17	श्री नरायन सिंह	उद्यान
18	श्री सुधीर गोयल	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
19	श्री राम प्रसाद चौधरी	खाद्य एवं रसद
20	डा0 धर्म सिंह सैनी	बेसिक शिक्षा
21	श्री राम अचल राजभर	परिवहन

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

1	श्री अनीस अहमद खाँ	अल्पसंख्यक कल्याण एवं हज
2	श्री अयोध्या प्रसाद पाल	खेलकूद एवं युवा कल्याण
3	श्री जमुना निषाद	मत्स्य एवं सैनिक कल्याण
4	श्रीमती ओमवती	खादी एवं ग्रामोद्योग
5	श्री बादशाह सिंह	लघु उद्योग
6	श्री रंगनाथ मिश्र	ग्रामीण अभियंत्रण सेवा
7	श्री विनोद कुमार	पर्यटन
8	श्री फतेह बहादुर सिंह	वन, जन्तु उद्यान
9	श्री लखीराम नागर	लघु सिंचाई
10	श्री अवधेश कुमार वर्मा	पिछड़ा वर्ग कल्याण

क्रमांक	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
11	श्री रघुनाथ प्रसाद	भूमि विकास एवं जल संसाधन (परती भूमि विकास को छोड़कर)
12	श्री राम हेत	निर्वाचन
13	श्री रामपाल वर्मा	परती भूमि विकास
14	श्री अनंत कुमार मिश्रा	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, सहकारिता
15	श्री अवधपाल सिंह यादव	पशुधन एवं दुग्ध विकास
16	श्री अकबर हुसैन	अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत
17	श्री सदल प्रसाद	प्राविधिक शिक्षा
18	श्री यशवंत	नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम
19	श्री रतनलाल अहिरवार	अम्बेडकर ग्राम विकास
20	श्री आनन्द सेन यादव	खाद्य प्रसंस्करण

राज्य मंत्री

क्रमांक	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1	श्री संग्राम सिंह	वस्त्रोद्योग एवं रेशम उद्योग
2	श्री अब्दुल मन्नान	कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात
3	श्री योगराज सिंह	कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान
4	श्रीमती विद्या चौधरी	वित्त
5	श्री राजेश तिवारी	होम्योपैथिक चिकित्सा एवं धर्मार्थ कार्य
6	श्री शहजिल इस्लाम अंसारी	मुस्लिम वक्फ
7	श्री दद्दन मिश्रा	आयुर्वेदिक चिकित्सा
8	श्री हरिओम	होमगार्ड्स एवं प्रान्तीय रक्षा दल
9	श्री यशपाल सिंह	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

नेता विरोधी दल

श्री मुलायम सिंह यादव

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल

अध्यक्ष

श्री सुखदेव राजभर

उपाध्यक्ष

रिक्त

प्रमुख सचिव

श्री राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय

अधिष्ठाता मण्डल

1-श्री भगेलू राम, सदस्य, विधान सभा (सुल्तानपुर),

2-श्री फरीद महफूज किदवई, सदस्य, विधान सभा (बाराबंकी),

3-श्री बृजेश सौरभ, सदस्य, विधान सभा (प्रतापगढ़),

4-श्री त्रिभुवन दत्त, सदस्य, विधान सभा (अम्बेडकर नगर),

5-श्री भगवती प्रसाद सागर, सदस्य, विधान सभा (झांसी),

6-श्री राम बिशुन आजाद, सदस्य, विधान सभा (गोण्डा),

7-श्री अरविन्द गिरी, सदस्य, विधान सभा (खीरी),

8-डा0 पी0 के0 राय, सदस्य, विधान सभा (कुशीनगर),

9-डा0 राधामोहन दास अग्रवाल, सदस्य, विधान सभा (गोरखपुर),

10-श्री प्रदीप माथुर, सदस्य, विधान सभा (मथुरा)।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

पन्द्रहवीं विधान सभा

शुक्रवार, दिनांक 18 मई, 2007

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप लखनऊ में अपरान्ह 3 बजे कार्यकारी अध्यक्ष (श्री श्यामदेव राय चौधरी) की अध्यक्षता में आरम्भ हुयी)

उपस्थित सदस्य-262

अंगद यादव, श्री	आजमगढ़
अकबर हुसैन, श्री	मुरादाबाद
अकीलुर्रहमान, श्री	मुरादाबाद
अजय तोमर, डा0	बागपत
अजय पाल सिंह,	रायबरेली
अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भइया, श्री	गोण्डा
अजय यादव, श्री	एटा
अनिल कुमार, श्री	बुलन्दशहर
अनिल कुमार, श्री	मुजफ्फरनगर
अनिल कुमार अहिरवार, श्री	महोबा
अनिल कुमार मौर्य, श्री	मिर्जापुर
अनिल कुमार सिंह, श्री	एटा
अनिल चौधरी, डा0	हाथरस (महामायानगर)
अनीस अहमद खाँ उर्फ फूलबाबू, श्री	पीलीभीत
अब्दुल मन्नान, श्री	हरदोई
अब्दुल वारिस खाँ, श्री	मुजफ्फरनगर
अमरेश कुमार, श्री	बाराबंकी
अमीता सिंह, श्रीमती	सुल्तानपुर
अम्बिका चौधरी, श्री	बलिया
अमेरिका, श्री	गाजीपुर
अरशद खान, श्री	पीलीभीत
अरूण कुमार यादव, श्री	आजमगढ़
अर्चना सरोज, श्रीमती	सन्तरविदास नगर (भदोही)
अवध पाल सिंह यादव, श्री	एटा
अवधेश कुमार वर्मा, श्री	शाहजहाँपुर
अवस्थी बाला प्रसाद, श्री	लखीमपुर खीरी
अशोक कुमार, श्री	औरैया
अशोक कुमार राणा, श्री	बिजनौर
अशोक कुमार सिंह चन्देल, श्री	हमीरपुर
आदित्य पाण्डेय, श्री	फतेहपुर
आनन्द कुमार उर्फ कलेक्टर पाण्डेय, श्री	इलाहाबाद
आनन्द सेन, श्री	फैजाबाद
आर0 ए0 उस्मानी, श्री	लखीमपुर खीरी
आर0 के0 चौधरी, श्री	लखनऊ
आसिफ, श्री	हरदोई
इकबाल, श्री	बिजनौर
इकबाल महमूद, श्री	मुरादाबाद
इन्द्रजीत सरोज, श्री	कौशाम्बी
ईश्वर चन्द्र शुक्ल, श्री	सिद्धार्थनगर
उदयभान करवरिया, श्री	इलाहाबाद
उदयलाल मौर्य, श्री	वाराणसी
उमलेश यादव,	बदायूँ
उमेश पाण्डेय, श्री	मऊ
ओम प्रकाश सिंह, श्री	मिर्जापुर
ओमवती देवी, श्रीमती	बिजनौर
कमलेश चन्द्र, श्री	कानपुर देहात
काजिम अली उर्फ नवेद मियां	रामपुर

उत्तर प्रदेश विधान सभा

कादिर राणा, श्री	मुजफ्फरनगर
कालीचरन, श्री	गाजीपुर
कुवेर सिंह, श्री	एटा
कुलदीप सिंह गंगवार, श्री	फर्रुखाबाद
कृपा शंकर सिंह, श्री	उन्नाव
कृष्ण कुमार, श्री	बहराइच
कृष्ण कुमार उर्फ सतीश वर्मा, श्री	हरदोई
कृष्ण गोपाल पटेल, श्री	लखीमपुर खीरी
कृष्णाराज, श्रीमती	लखीमपुर खीरी
के0 के0 सचान, डा0	जौनपुर
केदारनाथ वर्मा, श्री	बलिया
कैलाश सिंह राजपूत, श्री	कन्नौज
कौकब हमीद खाँ, श्री	बागपत
कौशल किशोर, डा0	लखीमपुर खीरी
गजेन्द्र सिंह, श्री	बुलन्दशहर
गिरीश चन्द्र, श्री	मुरादाबाद
गुटियारी लाल दुबेश, श्री	आगरा
गुरू प्रसाद मौर्य, श्री	इलाहाबाद
गुलाम मोहम्मद खान, श्री	बहराइच
गेंदा लाल चौधरी, श्री	हाथरस (महामायानगर)
गौरी शंकर एडवोकेट, श्री	लखनऊ
घूराराम, श्री	बलिया
चन्द्र प्रकाश मिश्र, श्री	सुल्तानपुर
चन्द्रमणि प्रसाद, श्री	सोनभद्र
चन्द्रवीर सिंह, श्री	मेरठ
चौधरी रविन्द्र प्रताप, श्री	सिद्धार्थनगर
जगदीश नारायण, श्री	जौनपुर
जगपाल, श्री	सहारनपुर
जनार्दन प्रसाद ओझा, श्री	महराजगंज
जमीरउल्ला, श्री	अलीगढ़
जमुना निषाद, श्री	गोरखपुर
जयवीर सिंह, श्री	मैनपुरी
जयवीर सिंह, ठाकुर	अलीगढ़
जितेन्द्र कुमार, श्री	बस्ती
जुल्फिकार अहमद भुट्टो, श्री	आगरा
जोखू लाल यादव, श्री	इलाहाबाद
ताहिर हुसैन सिद्दीकी, श्री	फर्रुखाबाद
तौफीक अहमद, श्री	सिद्धार्थनगर
त्रिभुवन दत्त, श्री	अम्बेडकरनगर
दद्दन, श्री	श्रावस्ती
दद्दू प्रसाद, श्री	चित्रकूट
दयाराम, श्री	कौशाम्बी
दाउद अहमद, श्री	हरदोई
दिनेश प्रसाद, श्री	चित्रकूट
दीनानाथ पाण्डेय, श्री	वाराणसी
दूधराम, श्री	बस्ती
धनीराम, श्री	औरैया
धर्मपाल, श्री	गाजियाबाद
धर्मपाल यादव डी0पी0 यादव, श्री	बदायूँ
धर्मराज निषाद, श्री	अम्बेडकरनगर
धर्म सिंह सैनी, डा0	सहारनपुर
धू राम लोधी चौधरी, श्री	हमीरपुर
नकुल दूबे, श्री	लखनऊ
नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी', श्री	इलाहाबाद
नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री	हरदोई
नसीरुद्दीन, श्री	फिरोजाबाद
नाथू राम कुशवाहा 'इंजीनियर', श्री	ललितपुर
नारायण सिंह, श्री	आगरा
निर्मल वर्मा, श्री	सीतापुर
नीरज कुशवाहा, श्री	शाहजहाँपुर
पंकज कुमार, श्री	मुजफ्फरनगर
पशुपति, श्री	गाजीपुर
पी0 के0 राय, डा0	कुशीनगर
पुरुषोत्तम नरेश, श्री	बाँदा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

पूजा पाल, श्रीमती	इलाहाबाद
प्रजापालन, श्री	एटा
प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती	कानपुर देहात
प्रमोद कुमार, श्री	प्रतापगढ़
प्रमोद सिंह, श्री	देवरिया
प्रवीण पटेल, श्री	इलाहाबाद
फतेह बहादुर, श्री	महराजगंज
फरहत हसन, श्री	ज्योतिबाफूलेनगर
फरीद महफूज किदवई, श्री	बाराबंकी
फागू, श्री	मऊ
बलबीर, श्री	मुजफ्फरनगर
बादशाह सिंह, श्री	हमीरपुर
बिमलेश सिंह, सुश्री	अलीगढ़
बिरजू राम, श्री	जौनपुर
बृजेश सौरभ, श्री	प्रतापगढ़
भगवत शरण गंगवार, श्री	बरेली
भगवती प्रसाद सागर, श्री	झाँसी
भगवान दास, श्री	सन्तकबीरनगर
भगवान सिंह कुशवाहा, श्री	आगरा
भगेलू राम, श्री	सुल्तानपुर
भीमराव अम्बेडकर, श्री	इटावा
भोला, श्री	आजमगढ़
मंजू, श्रीमती	बलिया
मदन भैया, श्री	बागपत
मदन चौहान, श्री	गाजियाबाद
मधुसूदन शर्मा, श्री	आगरा
मनोज चौधरी, श्री	सहारनपुर
ममतेश शाक्य, श्री	एटा
महिपाल सिंह, श्री	सहारनपुर
महेन्द्र सिंह, श्री	अलीगढ़
महेन्द्र सिंह राजपूत, श्री	इटावा
महेश चन्द्र, श्री	बदायूँ
माधव पासवान, श्री	गोरखपुर
मिथलेश कुमारी, श्रीमती	कानपुर देहात
मीता गौतम, कु0	बाराबंकी
मुख्तार अंसारी, श्री	मऊ
मुरलीधर, श्री	फतेहपुर
मुस्लिम खाँ, श्री	बदायूँ
मो0 अलीम खां, श्री	बुलन्दशहर
मोहम्मद इरशाद खान, श्री	लखनऊ
मोहम्मद गाजी, श्री	बिजनौर
मोहम्मद जलील खान, श्री	गोण्डा
मोहम्मद जासमीर अंसारी, श्री	सीतापुर
मोहम्मद ताबीश खां, श्री	सन्तकबीरनगर
मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी, श्री	इलाहाबाद
यशपाल सिंह, श्री	बिजनौर
यशवन्त, श्री	मुजफ्फरनगर
याकूब हाजी, श्री	मेरठ
योगराज सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
योगेन्द्र सागर, अनू, श्री	बदायूँ
योगेश वर्मा, श्री	मेरठ
रंगनाथ मिश्र, श्री	सन्तरविदासनगर(भदोही)
रघुनाथ प्रसाद, श्री	कानपुर देहात
रतनजीत प्रताप नारायण सिंह, कुंवर	कुशीनगर
रतनलाल अहिरवार, श्री	झाँसी
रमापति उर्फ रमाकान्त, श्री	कुशीनगर
रमेश चन्द्र, श्री	गोण्डा
रमेश चन्द्र विन्द, डा0	मिर्जापुर
रविन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री	जौनपुर
रवीन्द्र कुमार (मोल्हू), श्री	सहारनपुर
राकेश कुमार, श्री	महोबा
राकेश धर त्रिपाठी, श्री	इलाहाबाद
राकेश बाबू, श्री	फिरोजाबाद
राघव लखन पाल, श्री	सहारनपुर

उत्तर प्रदेश विधान सभा

राजकुमार, श्री	गाजीपुर
राजकुमार रावत, श्री	मथुरा
राजपाल सिंह, श्री	गाजियाबाद
राजबली जैसल, श्री	इलाहाबाद
राजाराम, श्री	रायबरेली
राजीव कुमार सिंह, श्री	बाराबंकी
राजेन्द्र कुमार, श्री	मऊ
राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, श्री	बस्ती
राजेश कुमार, श्री	लखीमपुर खीरी
राजेश त्रिपाठी, श्री	गोरखपुर
राजेश्वरी, श्रीमती	हरदोई
राधाकृष्ण उर्फ आर0के0 शर्मा, श्री	बरेली
राधे लाल रावत, श्री	उन्नाव
राम अचल राजभर, श्री	अम्बेडकरनगर
राम कुमार तिवारी, पण्डित	ललितपुर
रामपाल वर्मा, श्री	हरदोई
राम प्रकाश कुशवाहा, श्री	कानपुर नगर
राम प्रकाश यादव, श्री	फिरोजाबाद
राम प्रसाद चौधरी, श्री	बस्ती
राम प्रसाद जायसवाल, श्री	देवरिया
राम बिशुन आजाद, श्री	गोण्डा
रामवीर उपाध्याय, श्री	हाथरस
राम शिरोमणि शुक्ल, श्री	प्रतापगढ़
राम सागर अकेला, श्री	श्रावस्ती
रामहेत भारती, श्री	सीतापुर
रिजवान अहमद खाँ, श्री	ज्योतिबाफूलेनगर
रियाज अहमद, श्री	पीलीभीत
रोशन लाल, श्री	शाहजहाँपुर
लक्ष्मी नारायण, श्री	मथुरा
लखीराम नागर, श्री	मेरठ
लालजी टण्डन, श्री	लखनऊ
लालजी वर्मा, श्री	अम्बेडकरनगर
वाचस्पति, श्री	कौशाम्बी
वारिस अली, श्री	बहराइच
वासुदेव सिंह, श्री	बुलन्दशहर
विजय कुमार, श्री	गाजीपुर
विजय कुमार मिश्र, श्री	सन्त कबीरनगर (भदोही)
विजय पाल सिंह, श्री	बरेली
विद्या चौधरी, श्रीमती	आजमगढ़
विनोद, श्री	सुल्तानपुर
विनोद कुमार हरित, श्री	मेरठ
विनोद चतुर्वेदी, श्री	जालौन
विशम्भर सिंह यादव, श्री	बांदा
विश्वनाथ, श्री	कुशीनगर
वीरेन्द्र कुमार, श्री	हरदोई
वीरेन्द्र सिंह, श्री	बरेली
वीरेन्द्र सिंह सिरोही, श्री	बुलन्दशहर
वेदराम भाटी, श्री	बुलन्दशहर
शारदा प्रसाद, श्री	चन्दौली
शहनवाज, श्री	बिजनौर
शिवशंकर, श्री	बलिया
शीशराम, श्री	बिजनौर
शेखर, श्री	औरैया
शेरबहादुर, श्री	अम्बेडकरनगर
श्यामदेव राय चौधरी, श्री (दादा)	वाराणसी
श्याम नरायण, श्री	आजमगढ़
श्रीभगवान, श्री	बलिया
श्रीभगवान शर्मा, श्री	बुलन्दशहर
संग्राम सिंह, श्री	बाराबंकी
संजय, श्री	प्रतापगढ़
सतीश महाना, श्री	कानपुर नगर
सत्य नारायण जैसल, श्री	सोनभद्र
सत्य प्रकाश अग्रवाल (कैलाश डेरी वाले), श्री	मेरठ
सत्यवीर सिंह गुर्जर, श्री	गौतमबुद्धनगर
सत्येन्द्र सोलंकी, चौ0	बागपत

उत्तर प्रदेश विधान सभा

सदल प्रसाद, श्री	गोरखपुर	सुरेश, श्री	देवरिया
सनातन, श्री	बलिया	सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री	लखनऊ
सिनोद कुमार शाक्य (दीपू भइया), श्री	बरेली	सुरेश्वर सिंह, श्री	बहराइच
सिवगतुल्लाह अंसारी, श्री	गाजीपुर	सूरजपाल ठाकुर, श्री	आगरा
सुखदेव प्रसाद वर्मा, श्री	फतेहपुर	सूर्यभान, श्री	मिर्जापुर
सुखदेव राजभर, श्री	आजमगढ़	सोबरन सिंह, श्री	मैनपुरी
सुखलाल, श्री	पीलीभीत	हरगोविन्द भार्गव, डा0	सीतापुर
सुनील कुमार शर्मा, श्री	गाजियाबाद	हरिओम, श्री	जालौन
सुन्दर सिंह, श्री	बुलन्दशहर	हसरत उल्ला, श्री	एटा
सुभाष, श्री	बलिया	हुकुम सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
सुरेन्द्र सिंह पटेल, श्री	वाराणसी	होराम सिंह, श्री	गौतमबुद्धनगर

नोट :-आबकारी, लोक निर्माण, सिंचाई, आवास एवं शहरी नियोजन तथा गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री (श्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी), स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री अनन्त कुमार मिश्र) भी सदन में उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

श्री राज्यपाल द्वारा पन्द्रहवीं विधान सभा का अस्थायी अध्यक्ष श्री श्यामदेव राय चौधरी को नियुक्त किये जाने के सम्बन्ध में सूचना

प्रमुख सचिव, विधान सभा-

श्रीमन्, मैं श्री राज्यपाल के निम्नलिखित आदेश, दिनांक 15 मई, 2007 को पढ़कर सुनाता हूं- " 'भारत का संविधान' के अनुच्छेद-180 के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, टी0 वी0 राजेस्वर, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश श्री श्यामदेव राय चौधरी को, जो निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी, *उत्तरी से विधान सभा के सदस्य हैं, उस समय तक के लिये जब तक कि संविधान के अनुच्छेद 178 के अनुसार विधान सभा द्वारा अध्यक्ष का निर्वाचन न कर लिया जाय, संविधान के अनुच्छेद 179 के द्वितीय परन्तुक के अधीन रहते हुये, अध्यक्ष का पद रिक्त होने पर, अध्यक्ष पद के कर्तव्यों का पालन करने के लिये नियुक्त करता हूं।"

विधान सभा अध्यक्ष का निर्वाचन

श्री कार्यकारी अध्यक्ष-

मैं अपनी ओर से सबसे पहले इस विधान सभा में निर्वाचित होकर के आये सभी मा0 सदस्यों का हार्दिक अभिनन्दन करता हूं और जैसा कि जनता की अपेक्षा है कि आप सभी अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, पूरी संजीदगी के साथ प्रदेश की जनता की बेहतरी के लिये करेंगे। मुझे आशा है कि आप सभी और हम सभी, सभी माननीय सदस्य मिलकर इस प्रदेश को एक अच्छा प्रदेश, एक बेहतर प्रदेश और जनता की जीवन की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुये हम सभी कामयाब होंगे। मैं आप सबको पुनः एक बार अपनी ओर से बधाई देता हूं।

माननीय मुख्य मंत्री जी, माननीय नेता विरोधी दल तथा अन्य मा0 दलों के सदस्य जैसा कि आपको विदित है कि आज का दिन अध्यक्ष पद के निर्वाचन के लिये नियत किया गया है। नियमानुसार नाम-निर्देशन-पत्र दिनांक 17 मई, 2007 के मध्यान्ह में 12.00 बजे के पूर्व तक आ जाने चाहिये थे। उक्त अवधि के अन्दर जो नामांकन-पत्र प्राप्त हुये हैं उनका विवरण इस प्रकार है :-

क्र0सं0	नाम-निर्देशित अभ्यर्थी	प्रस्थापक	समर्थक
1	श्री सुखदेव राजभर	श्री मुलायम सिंह यादव	श्री जगदीश नारायण राय
2	श्री सुखदेव राजभर	श्री लालजी वर्मा	श्री इन्द्रजीत सरोज
3	श्री सुखदेव राजभर	श्री ओम प्रकाश सिंह	श्री लालजी टण्डन
4	श्री सुखदेव राजभर	श्री प्रमोद कुमार	श्री कौकब हमीद
5	श्री सुखदेव राजभर	श्री श्याम सुन्दर शर्मा	श्री राजपाल त्यागी
6	श्री सुखदेव राजभर	श्री धर्मपाल यादव, डी0 पी0 यादव	श्री यसपाल सिंह रावत
7	श्री सुखदेव राजभर	श्री अशोक यादव	श्री राकेशधर त्रिपाठी

*श्री श्यामदेव राय चौधरी, वाराणसी, दक्षिणी से निर्वाचित हुये।

चूंकि उक्त नाम-निर्देशन-पत्रों में एक ही नाम का प्रस्ताव है और सभी नाम-निर्देशन-पत्र वैध पाए गए हैं अतः उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम-8 (4) के अनुसार इस निर्वाचन के लिए औपचारिक प्रस्ताव करना आवश्यक नहीं है और मैं श्री सुखदेव राजभर को अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति से निर्वाचित किए जाने की घोषणा करता हूं।

(मेजें थपथपाई गईं)

विधान सभा के नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री सुखदेव राजभर को बधाई

श्री कार्यकारी अध्यक्ष (श्री श्यामदेव राय चौधरी)-

मैं श्यामदेव राय चौधरी जो वाराणसी से 15वीं विधान सभा का सदस्य निर्वाचित हुआ हूं और मुझे उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय द्वारा भारत के संविधान के संगत प्राविधानों के अन्तर्गत अस्थाई अध्यक्ष बनाया गया है, माननीय सुखदेव राजभर जी को जो 15वीं विधान सभा के अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं, मैं हार्दिक बधाई देता हूं। अध्यक्ष, विधान सभा का पद इस सदन का सर्वोच्च पद है, आप सभी जानते हैं और इस पद के दायित्व भी अत्यन्त गुरुतर हैं। आपको इस पद पर आसीन रहकर पूरे सदन को देखना होगा जो निःसन्देह एक कठिन कार्य है। हम सबका प्रयास होगा कि सदन में शान्ति बनी रहे और आपको सदन के संचालन में हमारा सहयोग प्राप्त हो। मुझे पूरा विश्वास है कि इस सदन के सभी माननीय सदस्यगण आपको सदन के संचालन में पूरा सहयोग प्रदान करेंगे। आपका एक लम्बा राजनैतिक इतिहास रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल में आप विधान सभा और विधान परिषद् दोनों सदनों के सदस्य तथा मंत्री भी रहे हैं, साथ ही विधान मण्डल की संसदीय समितियों में भी सदस्य के रूप में कार्य करने का आपका दीर्घ अनुभव रहा है। मेरी जानकारी के अनुसार पठन-पाठन में भी आपकी विशेष अभिरुचि है, इसलिए मैं समझता हूं कि आपके संरक्षण एवं मार्गदर्शन में इस सदन और उसकी समितियों को संसदीय एवं संवैधानिक जानकारी की नई दिशा एवं नए आयाम मिलेंगे। इसी के साथ मैं आपको एक बार पुनः हृदय से बधाई देता हूं।

परम्परा के अनुसार मैं माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष और अन्य दलों के माननीय नेताओं, राष्ट्रीय कांग्रेस, लोकदल, भाजपा और अन्य सभी दलों के माननीय नेताओं से अनुरोध करता हूं कि वे श्री सुखदेव राजभर जी को ढूंढ़ कर 'अध्यक्ष आसन' तक लाने की कृपा करें।

(मुख्य मंत्री सुश्री मायावती, श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री ओम प्रकाश सिंह, श्री प्रमोद कुमार एवं श्री कौकब हमीद द्वारा श्री सुखदेव राजभर को अध्यक्ष आसन तक लाया गया और मेजों की थपथपाहट के बीच उन्हें अध्यक्ष आसन पर बैठाया गया।)

(इस समय 3 बजकर 10 मिनट पर नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री सुखदेव राजभर पीठासीन हुए।)

मुख्य मंत्री (कुमारी मायावती)-

मैं नेता सदन के रूप में माननीय श्री सुखदेव राजभर जी को जो 15वीं विधान सभा के अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं, पूरे सदन की ओर से और अपनी ओर से मैं उनको हार्दिक बधाई देती हूं और इस पद के बारे में वैसे आप लोगों को यह मालूम है कि विधान सभा का अध्यक्ष पद, इस सदन का अत्यंत महत्वपूर्ण एवं गरिमापूर्ण सर्वोच्च पद है, जिसके कर्त्तव्य और दायित्व भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अध्यक्ष पद पर आसीन होकर उसे पूरे सदन के हितों को देखना होता है और सबको संतुष्ट भी करना होता है। विचारों का मतभेद होने पर कभी-कभी ऐसे अवसर आते हैं, जब सदन के संचालन में काफी व्यवधान पैदा होता है मगर हमें यह सोचना चाहिए कि हम सभी विधायक जिस मकसद के लिए जनता की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर विधान सभा में चुनकर आए हैं उनसे सम्बन्धित विषयों को हम लोग सदन में शांतिमय ढंग से रखें और शांति व्यवस्था बनाने में माननीय अध्यक्ष विधान सभा को पूरा-पूरा सहयोग प्रदान करें। मुझे पूरा विश्वास है कि इस सदन के माननीय सभी सदस्यगण आपको सदन के संचालन में पूरा-पूरा सहयोग प्रदान करेंगे और जहां तक आज आपके निर्विरोध चुने जाने का सवाल है, इसके साथ-साथ जहां तक आपके परिचय का भी सवाल है, मैं समझती हूं कि आपके परिचय से सभी वाकिफ हैं लेकिन फिर भी मैं यह बताना चाहूंगी कि श्री सुखदेव राजभर जी एक योग्य, अनुभवी और मिलनसार व्यक्ति हैं। आज जो यह निर्विरोध विधान सभा के अध्यक्ष चुने गये हैं और जब उनका हमने नामांकन फाइल कराया था और जिन लोगों ने भी उनका नाम प्रस्तावित किया था तो उनका नाम सुनने के बाद किसी भी पार्टी की ओर से उनके मुकाबले में कोई दूसरा नाम नहीं आया। तो मैं समझती हूं कि यह उनकी खूबी को जाहिर करता है, उनके व्यक्तित्व की खूबी को जाहिर करता है। आप सर्वप्रथम मई-जून, 1991 के सामान्य निर्वाचन में, फिर नवम्बर, 1993 के मध्यावधि चुनाव में तथा फरवरी, 2002 के सामान्य निर्वाचन में बहुजन समाज पार्टी के टिकट से और चौथी बार भी बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए हैं। आप उत्तर प्रदेश विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से जनवरी, 1997 से फरवरी, 2002 तक उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के भी सदस्य रहे हैं। आप वर्ष 1993-94, वर्ष 1997 तथा वर्ष 2000 से लेकर 2003 में विभिन्न मंत्रि-मण्डलों में सम्मिलित रहे हैं। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश विधान सभा में वर्ष 1991-1992 में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों सम्बन्धी संयुक्त समिति के सदस्य तथा वर्ष 2002-2003 व वर्ष 2003-2004 में विधान सभा की कार्य-मंत्रणा समिति के सदस्य और वर्ष 2002-2003 में नियम समिति के सदस्य भी रहे हैं। आपने अखिल भारतीय राजभर महासंघ के वर्ष 1982 से 1989 तक कोषाध्यक्ष और वर्ष 1989 से अध्यक्ष पद को भी सुशोभित किया है। विधायी एवं न्याय के क्षेत्र में आपकी गहरी रुचि रही है तथा विद्यार्थी जीवन से ही राजनैतिक जीवन में आपकी गहरी आस्था रही है। पढ़ने लिखने तथा समाज सेवा में विशेष रुचि रहीं है। मैं आशा करती हूं कि आपके निर्विरोध चुने जाने पर सभी

दलों को बहुत प्रसन्नता हो रही है क्योंकि सभी प्रमुख दलों की ओर से अध्यक्ष, विधान सभा के पद के लिए आपके नाम का प्रस्ताव किया गया था। मुझे पूर्ण विश्वास है कि विधान सभा के सभी दलों के नेतागण सदन के कार्य के संचालन में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे और आप भी हाउस के सदस्यों को को-आपरेट करेंगे। मैं एक बार पुनः आपके निर्विरोध चुने जाने पर अपनी ओर से तथा सदन की ओर से आपको हार्दिक बधाई देते हुए अपनी बात समाप्त करती हूं।

*श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय नेता सदन ने आपके सम्बन्ध में जो विचार रखे हैं हम उससे अपने को सम्बद्ध करते हैं और आपको बधाई देते हैं कि देश के सबसे बड़े सूबे के सर्वोच्च आसन पर आप जैसा योग्य व्यक्ति विराजमान हुआ है। मैं मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा कि ऐसे योग्य व्यक्ति को चुना जिसका राजनैतिक जीवन बहुत बड़ा है। आप सत्ता पक्ष में भी रहे हैं और विपक्ष में भी रहे हैं। आपकी कभी भी निष्पक्षता में आंच नहीं आयी है। हमें सोचने की जरूरत नहीं पड़ी कि कभी निष्पक्षता नहीं होगी, इसलिए हमने भी परम्परा का पालन किया कि यह पद विवादित नहीं होना चाहिए। मैं उम्मीद करता हूं कि उस निष्पक्षता को, जो आपने अपने जीवन में बनाये रखा है, उसे उस सर्वोच्च पद में भी बनाये रखेंगे। अध्यक्ष जी, हम लोगों की राजनैतिक विचारधारा अलग होती है, नीतियां अलग होती हैं और सिद्धान्त अलग होते हैं, लेकिन, इस सदन में हम सभी लोग जनता की सेवा के उद्देश्य से आये हैं और हम अपनी बातों को रखें। विपक्ष का काम है, जिम्मेदारी है सरकार को आइना दिखाना, जो कार्य हो रहे हैं वह किस प्रकार के हो रहे हैं। कभी-कभी टकराव हो सकता है लेकिन कभी व्यक्तिगत टकराव नहीं होता है। मैं चाहूंगा कि ऐसे अवसर न आयें, वैसे संसदीय कार्य मंत्री लालजी वर्मा जी हैं वह टकराव की नौबत नहीं आने देंगे। हम यह भी चाहते हैं कि यह सदन ज्यादा से ज्यादा चले। जो सदन की परम्परा रही है वह परम्परा कायम रहे। मैं एक बात और अध्यक्ष जी कहना चाहूंगा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि सदन में बोलने वालों की संख्या बहुत कम होती जा रही है। लोगों में अब पढ़ने लिखने की रुचि कम हो रही है। मैं मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि अगर सदस्यों में रुचि नहीं होगी, बोलने में रुचि नहीं होगी तो जनता की बातों को नहीं रख पायेंगे और जो जनता ने जिम्मेदारी उनको सौंपी है उसका निर्वहन नहीं कर पायेंगे। मैं चाहूंगा कि नये सदस्यों को बोलने का समय दिया जाय जिससे वह अपनी बातों को रख सकें और जो वायदे वह जनता से करके आये हैं उन वायदों को वह य[illegible]क पहुंचा सकें। मैं अपनी तरफ से तथा अपने दल की तरफ से आपको विश्वास दिलाना चाह[illegible] हूं कि जो जिम्मेदारी हम लोगों की है, जो परम्परा है उसमें हम पूरा सहयोग देंगे और जहां पर गलत कार्य हो रहे हैं, हम उनको सही तरीके से उजागर करेंगे और आ[illegible] से अनुरोध हम [illegible] करेंगे कि हम विपक्ष में हैं, थोड़ी दया हम पर ज्यादा होनी चाहिये

---

*वक्ता ने भाषण का पुनर्रीक्षण नहीं किया।

और समय हमको थोड़ा ज्यादा मिलना चाहिये क्योंकि हम अपनी बात ही कह सकते हैं, हम अपनी चीजों को रख सकते हैं हमारा जो कर्तव्य है हम अपने उन कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहते हैं। तो थोड़ी सी कृपा दृष्टि आप उधर की बजाय इधर थोड़ा ज्यादा बनाये रखियेगा। अब आप किसी दल में नहीं हैं, अब आप सभी दलों के उम्मीदवार हैं। मेरा आप पर विश्वास है कि आप उन परम्पराओं को कायम रखते हुये इस कुर्सी की गरिमा को जैसे बड़े-बड़े लोगों ने बनाया है, इतिहास के पन्नों में उसी तरीके से रखेंगे। मेरी फिर से आपको बहुत-बहुत शुभकामनायें।

*श्री ओम प्रकाश सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं अपनी ओर से, अपने दल के सभी सदस्यों की ओर से आपको इस मर्यादापूर्ण, गरिमापूर्ण पद पर सर्वसम्मति से चुने जाने के उपलक्ष्य में हार्दिक बधाई देता हूं और आप इतिहास बनायें, आपका इस पद पर बैठने वालों की सूची में एक गौरवशाली नाम जुड़े, इसके लिये हार्दिक शुभकामनायें भी व्यक्त करता हूं, भगवान से प्रार्थना करता हूं आपको शक्ति दे, निष्पक्ष बनाये, संकल्पशील बनाये कि आप सदन की गरिमा और मर्यादा के अनुरूप अपने कर्तव्यों में, दायित्वों में और इस सदन के संचालन में सही सिद्ध हों। आपकी शालीनता, सज्जनता, सरलता, सद्भावपूर्ण व्यवहार से यह पूरा सदन ही नहीं पूरा प्रदेश परिचित है। मुझे आपके साथ रहने का भी सौभाग्य मिला है और अनेकों अवसरों पर साथ रहने का और देश के बाहर जाने का भी अवसर मिला है। आपकी सरलता और शालीनता ने और सहिष्णुता ने जितना लोगों को प्रभावित किया है वही आपकी पूंजी है। यह सदन इस देश का राज्यों का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक और संसदीय सदन है इसलिये लोकतांत्रिक परम्पराओं, मर्यादाओं की रक्षा का बहुत बड़ा दायित्व आपके ऊपर है। यह सदन अपने खोये हुये गौरवपूर्ण दिनों को पुनः स्थापित कर ले यह मैं आपसे भी अपेक्षा करूंगा और इस सदन से भी। जिस रूप में सर्वसम्मति से चुनते हुये आपकी प्रशंसा में माननीय नेता सदन, माननीय नरेश चन्द्र अग्रवाल जी, समाजवादी पार्टी ने जो भाव व्यक्त किये हैं, वह चरितार्थ हैं इसमें मैं और मेरा सदन आपका पूर्ण सहयोग करेगा। मान्यवर, आपके गुणों से सभी परिचित हैं और जब नेता सदन ने आपका नाम प्रस्तावित किया तो मैं समझता हूं कि जितने भी सदस्य थे सभी ने एक स्वर से प्रशंसा किया कि बहुत ही योग्य चयन हुआ क्योंकि यह नेता सदन का अधिकार था कि किसी का भी नाम वह चयन कर सकती थीं और परम्परा के अनुसार वह व्यक्ति कुर्सी पर बैठता, पसन्दगी और नापसन्दगी कभी पेसी होती तब भी, लेकिन एक स्वर से सभी ने आपके चयन को खुले हृदय से समर्थन दिया। यह इस बात का द्योतक है कि सबने आप में केवल बहुमत दल होने के नाते ही नहीं बल्कि आपकी योग्यता के कारण से पूर्ण विश्वास व्यक्त किया है। (सत्तापक्ष की ओर से मेजों की थपथपाहट मान्यवर, इस सदन की जो परम्परा है, पिछले कुछ वर्षों से जो कार्य-पद्धति है और जो राजनैतिक परिवेश अपना रूप ले रही है उसमें

---

*वक्ता ने भाषण का पुनर्रीक्षण नहीं किया।

आपके प्रति विभिन्न प्रकार के दबाव होंगे, दलीय दबाव होंगे, कुछ विद्वान सदस्यों के दबाव होंगे, कुछ समूहों का दबाव होगा, लेकिन आपकी परीक्षा होगी। आपके गुणों में जो विश्वास व्यक्त किया है इस सदन ने उसकी परीक्षा होगी और आप संकल्प के साथ लोकतांत्रिक मर्यादाओं और सदन की गौरवपूर्ण परम्पराओं को बनाये रखने में अपनी निष्पक्षता के साथ अडिग रहकर, हम सबका संरक्षण करेंगे ऐसा विश्वास है।

अभी माननीय नरेश चन्द्र अग्रवाल जी ने अपने संरक्षण की बात कही है। आप कमजोर तबकों के सरंक्षक रहे हैं, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के सिद्धान्तों को जीवन में चरितार्थ करने के प्रति आपने क्षण-क्षण समय बिताया है। इसलिए कमजोर तबकों का यहां भी संरक्षण करेंगे ऐसा विश्वास है। इसलिए बहुमत के समक्ष जो अल्पमत है उनका संरक्षण भी उसी सिद्धान्तों के अन्तर्गत होगा ऐसा मुझे विश्वास है। (मेजों की थपथपाहट)

मान्यवर, आप इस पर बैठे हैं, व्यक्ति बहुत बैठते हैं, उच्च पदों पर बैठे व्यक्ति एक संस्था भी हैं और यह संस्था का सर्वोच्च पद भी है। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं, क्योंकि आपके प्रति मेरी दिली सद्भावनायें भी हैं। इसी प्रकार दिल से जो सद्भावना के उच्च भाव हो सकते हैं वह हैं, आपके प्रति यह शुभकामना व्यक्त करता हूं। लोग पद से सुशोभित होते हैं, आप ऐसा कार्य करें कि यह पद सुशोभित हो जाये। (मेजों की थपथपाहट) इस शुभकामना के साथ मैं आपको पुनः बधाई देता हूं।

* श्री प्रमोद कुमार-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं बहुत ही विनम्रतापूर्वक इस सदन के सर्वोच्च पद पर आपको आसीन देखकर अपनी ओर से, अपने दल की ओर से या यों कहूं कि सम्पूर्ण सदन की ओर से बधाई देता हूं और आपका अभिनन्दन करता हूं। बधाई के पात्र तो आप हैं बधाई के पात्र माननीय नेता सदन मुख्य मंत्री जी भी हैं क्योंकि यह बहुमत की सरकार बहुत दिनों के बाद आयी है। जो भी निर्णय वह ले लेतीं बहुमत से आपको बनाया जा सकता था, लेकिन इस बहुमत को सर्वसम्मत बनाने के लिए परसों आपने एक बैठक बुलायी जिसमें आदरणीय टण्डन जी थे मुझे बुलाया गया था, माननीय कौकब हमीद साहब थे, सब लोग मौजूद थे और जिस समय उन्होंने आपके नाम का प्रस्ताव किया, मैं यह नहीं कहूंगा कि आप जैसे क्षमतावान लोग नहीं हैं, लेकिन मैं यह कह सकता हूं कि स्पीकर पद के लिये सर्वाधिक उपयुक्त व्यक्ति आप ही हैं और मान्यवर, यह पद इस सदन में बना था तो वह निश्चित रूप से आपके लिये बना था।

(मेजों की थपथपाहट)

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मान्यवर, इस सदन में हमने आपको संसदीय कार्य मंत्री के रूप में कार्य करते हुए देखा है, मंत्री के रूप में भी देखा है। विरोधी दल में, जहां आज टण्डन जी बैठे हुए हैं, वहां पर भी बैठे हुए आपको देखा है। यह टण्डन जी हमेशा यहां बैठे रहें यह भगवान से प्रार्थना है।

माननीय अध्यक्ष जी, कुछ लोग ऐसे होते हैं जब किसी पद पर बैठ जाते हैं तो लोग उन्हें पहचानने लगते हैं, उनके व्यक्तित्व को जानने लगते हैं। उससे उनका कद बढ़ जाता है। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि आपके वहां बैठने से इस सदन की गरिमा बढ़ गयी है। आपके प्रति अपने यह उद्गार व्यक्त करते हुए मुझे खुशी हो रही है। मान्यवर, आज इस सदन में बैठे हुए लोगों को ही नहीं, किसी गांव के दूर कोने में किसी खेत या खलिहान में बैठे हुए या किसी दुकान पर बैठे हुए एक साधारण कार्यकर्ता के मन में भी एक नई आशा जगी होगी कि गरीब के घर में जन्म लेकर एक झोपड़ी से सर्वोच्च सदन तक पहुंचा जा सकता है यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबी है और आप उस पर बैठे हैं, इसके लिये मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं। मान्यवर, यह साधारण पद नहीं है इस पर परम् श्रद्धेय राजर्षि टण्डन जी बैठ चुके हैं। राजर्षि टण्डन जी ईमानदारी, त्याग और बलिदान के रूप में जाने जाते थे। मान्यवर, खेर साहब वहां बैठ चुके हैं, वासुदेव सिंह साहब वहां बैठ चुके हैं, नियाज हसन साहब वहां बैठ चुके हैं। एक आध नाम और कहें तो मैं ले लूं भारी मन से, मान्यवर, मैं इतना कहना चाहता हूं कि बहुत बड़े-बड़े लोग बैठ चुके हैं। मान्यवर केशरी नाथ त्रिपाठी जी वहां बैठ चुके हैं, मैं उनका भी नाम लेता हूं बहुत ऊंची परम्पराएं उन्होंने कायम की हैं। तो मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि आप जिस पद पर बैठे हैं यह बहुत महत्वपूर्ण पद है। मान्यवर, इतिहास पढ़ा जाता है वह बहुत कम लोगों से बनाया जाता है। मेरी यही कामना है कि आप पुराना इतिहास न पढ़ें बल्कि उस पीठ पर बैठकर एक ऐसा इतिहास बनायें कि आने वाली पीढ़ियां आपकी ईमानदारी और आपके संसदीय ज्ञान का इतिहास पढ़ती रहें। यह लोकतंत्र है मान्यवर, यह अविरल रूप से चलता है और चलता रहेगा। कुछ ऐसा वातावरण पैदा कर दें यहां कि यह सदन गंगा बन जाय और गंगा जैसे अविरल बहती रहती है वैसे ही इस सदन का पन्द्रहवां कार्यकाल बहता जाय, बढ़ता जाय और एक नया आयाम बनता जाय। हम कांग्रेस की ओर से आपको पूरा सहयोग और वचन देने का वायदा करते हैं। मान्यवर, जो मैं कहूं उस पर विश्वास करें, नरेश चन्द्र अग्रवाल जी जो कहें उस पर बिल्कुल विश्वास न करियेगा। क्योंकि वह इसलिए आज यहां भेजे गये हैं कि वह जो कह दें उसका मतलब मना है, इसलिये यहां आ गये हैं। खैर, मुझे पूरा विश्वास है कि सभी का सहयोग रहेगा, आदरणीय ओम प्रकाश सिंह जी का भी सहयोग रहेगा और मैं ओम प्रकाश सिंह जी की तरफ इसलिए नहीं देख रहा हूं कि लालजी टण्डन जी की सूरत मुझे दिखाई पड़ती है तो मुझे बड़ा दुःख होता है, मुझे इस बात का दुःख होता है कि इतना विशाल व्यक्तित्व, इतनी विशाल काया, सदन में इस तरह रहेंगे। मुझे कहने में कोई संकोच नहीं है कि यह सदन जो पन्द्रहवीं विधान सभा गठित हुई है, यह अपने आप में बहुत नये चेहरों को लेकर आई है, बहुत नये लोगों को लेकर आई है।

नये लोगों को, बिना उन्हें सुने हुए, बिना उन्हें पढ़े हुए, बिना उन्हें देखे हुए नकारा नहीं जा सकता है। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले दिनों में बहुत से योग्य लोग निर्वाचित होंगे और एक ऐसा इतिहास बनायेंगे जिससे यह सदन गरिमामय होगा चाहे इस पक्ष में लोग बैठे हों चाहे उस पक्ष में लोग बैठे हों। मान्यवर, आपके बारे में एक बात कहूंगा, इजाजत है ? आपकी तरफ देखकर लगता है कि एक दोहा है--

सतसैया के दोहरे ज्यों नाविक के तीर।
देखन में छोटे लगे घाव करे गम्भीर।।

मान्यवर, मैंने आपकी हाजिर जवाबी संसदीय कार्य मंत्री के रूप में देखी है जो बात गुस्से में कुछ लोग कह दिया करते थे, समझ रहे हैं न, नरेश जी, कौन लोग, गुस्से में कौन बोलता था वहां, आप हंसते-हंसते ऐसी चोट कर जाते हैं कि जब तक आदमी समझता है कि चोट कहां हुई तब तक बात आगे बढ़ जाती है। तो मान्यवर, उस ज्ञान का प्रयोग वहां मत करियेगा, उसको यहीं छोड़ जाइयेगा। वहां बैठकर आप हम लोगों के संरक्षक होंगे, गार्जियन होंगे, हम लोगों के दुःख दर्द सुनेंगे। हम लोगों ने तो चलिये कई मौसम देखे हैं लेकिन जो नये सदस्य चुनकर आये हैं उनको दुःख पीड़ा होगी वह सरकार के बीच में एक सेतु के रूप में होगी, एक संवाद के रूप में आप करेंगे। एक आग्रह मैं करूंगा आपसे कि नेता सदन से बात करके, नेता विरोधी दल से बात करके सदन को ज्यादा से ज्यादा दिन चलायें। 90 दिन सदन की कार्यवाही चले, यह सदन की नियमावली में है पर अगर 90 दिन न भी चल सके, अगर 60 दिन चले तो बात कहने में आयेगी। हम पूरा वचन देते हैं सदन की कार्यवाही कहीं बाधित नहीं होगी, सदन की कार्यवाही नियमानुसार चलेगी, और हमारा पूरा सहयोग रहेगा, यह वचन सदन में लिखित रूप से, आज कार्यवाही सदन में लिखित रूप से अंकित हो रही है, मैं देखता हूं इसमें कोई विरोधाभास नहीं होगा, सदन अपने लक्ष्य को पूरा करेगा, अपने कार्यकाल को पूरा करेगा ऐसा मुझे विश्वास है। मान्यवर, एक बात कहकर मैं अपनी बात समाप्त करूंगा। आप गये थे साथ में विदेश में, विदेश में बहुत सी बातें हुईं, बहुत सी बातें बताऊंगा भी नहीं यहां पर। जो बताने लायक है वह जरूर बता दूंगा वह यह है कि हम आप ब्रिटिश पार्लियामेंटरी सिस्टम देखने गये थे, वहां मान्यवर, एक अध्याय है जहां लोकतंत्र बनाम मोनार्की, राजशाही के बीच मे कटुता आई थी तो मान्यवर, उस कलम पर बैठकर जो आदेश लिखा गया था कि राजा को भी अपनी मौत का फरमान जारी करना पड़ा था तो यह लोकतंत्र है। इससे ज्यादा शक्तिशाली नेता सदन, नेता विरोधी दल, आप तीनों मिलकर सर्वोच्च हैं, आपसे बड़ा कोई नहीं है, मुझे पूरा विश्वास है गरीबों के हक पर जब गुण्डागर्दी और आतंक बढ़ेगा तो यह सरकार, यह सदन ऐसे कदम उठायेगा कि गुण्डागर्दी का नामोनिशान मिट जायेगा और गरीब आदमी के चेहरे पर मुस्कान आयेगी। ऐसे इतिहास को लिखा जाय, यह मैं चाहता हूं। इन शब्दों के साथ मैं आपको एक बार फिर बधाई देना चाहता हूं और पूरे सदन को इस बात के लिये बधाई देना चाहता हूं कि उस गौरवशाली परमपरा को कायम रखा

गया, जहां सर्वसम्मति से मिलकर हमने यह निर्णय लिया है कि सच पूछिये तो मान्यवर, थोड़ी तारीफ तो हम लोगों की भी होनी चाहिए। नेता सदन की भी होनी चाहिए कि खदान में कोयले तो बहुत पड़े रहते हैं पर उसमें हीरा तलाशना मुश्किल होता है और हमने हीरा तलाश लिया है, इतना ही हम कह सकते हैं और जिस हीरे को हमने तलाशा है, उसकी चमक धीमी न पड़ने पाये इसकी हर कोशिश हमारी तरफ से होगी। बहुत-बहुत धन्यवाद, मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

* श्री कौकब हमीद-

मान्यवर, कुछ लम्हे ऐसे होते हैं, कुछ निर्णय ऐसे होते हैं, कुछ फैसले ऐसे होते हैं जो अपने में कीर्तिमान बना देते हैं। तो कल जो फैसला हुआ कि आप इस गरिमामय सदन के अध्यक्ष के रूप में रहेंगे, यह एक ऐसा फैसला है जिससे हर व्यक्ति खुश है। इसमें सिर्फ सदन की बात नहीं कर रहा हूं, सदन में बैठे हुए इधर और उधर बैठे हुए लोग तो खुश हुए ही, मगर जिन लोगों ने सुना जो इस प्रदेश के नागरिक थे चाहे गरीब हो या अमीर हो, उन्होंने भी यह बात समझी कि इस पद पर आप जैसे ही आदमी को बैठना चाहिए था। मान्यवर, बहुत समय बाद, तकरीबन 15 साल बाद एक सरकार बनी है जो एक पार्टी की है और निर्णय कुछ भी होता, जो भी नाम तय होता, उसके लिये बैठा जाता मान्यवर, लेकिन आपको यहां बिठाकर हमें अपने आप पर गौरव हो रहा है कि हमने एक ऐसे आदमी को बिठाया कि आने वाले 5 साल के अन्दर एक अच्छी परम्परा बन सकती है। मान्यवर, चाहे इस पक्ष के लोग हों चाहे उस पक्ष के लोग हों, हम लोग अपने सवालात उठाते हैं, और सवालात, समस्यायें उठती हैं, जनता की, हम लोग सिर्फ उनकी बात कहते हैं और वह व्यक्तिगत नहीं होती हैं। उसके लिये मेरा आपसे अनुरोध है कि हम लोगों को भी समय दें और मझे उम्मीद है कि आप जैसा व्यक्ति इस बात का लिहाज रखेगा, ख्याल रखेगा कि सदन को उसके गौरवमय तरीके से चलाया जाय क्योंकि यह हिन्दुस्तान का सबसे बड़ा सदन है मान्यवर, मैं इसी के साथ आपका धन्यवाद करता हूं।

*श्री हाजी याकूब-

आज इस सदन के माननीय सभी सदस्यों ने और हमारी पार्टी के बड़े नेताओं ने, माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय नेता प्रमोद कुमार जी ने और अन्य पार्टियों के नेताओं ने जो आपको अध्यक्ष बनाने का फैसला लिया है, उससे सदन की गरिमा, सदन की परम्पराओं से ऊपर उठकर आम गरीब, मजदूर, किसान, कमजोर लोगों में खुशी की लहर चली है उससे यह साबित हो गया है कि आने वाली सरकार जो लगभग 15 सालों के बाद पूर्ण बहुमत के साथ उत्तर प्रदेश में आयी है, उससे ऐसा लगता है कि यह सदन और पूरा उत्तर प्रदेश खुशहाली और विकास की तरफ आगे बढ़ेगा। गुण्डागर्दी को खत्म करते हुए, भ्रष्टाचार को खत्म करते हुए,

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

आम जनता का, गरीबों का, किसानों का भला करते हुए उत्तर प्रदेश विकास करेगा। विकास के नाम पर जो उत्तर प्रदेश महरूप चला आ रहा था नयी सरकार के आने से सभी के दिलों में एक खुशी की लहर आ गयी है। मैं अपने और अपनी पार्टी के सदस्यों की ओर से मुबारकबाद देता हूं और उम्मीद करता हूं कि इन्शा-अल्ला इस सदन की गरिमा बनी रहेगी।

श्री अध्यक्ष-

जनता दल यूनाइटेड, जनमोर्चा, भारतीय जनशक्ति पार्टी, राष्ट्रीय स्वाभिमान पार्टी।

* श्री आर0 के0 चौधरी-

मान्यवर, उत्तर प्रदेश इस देश का सबसे बड़ा प्रदेश है और इस प्रदेश के इस सदन की गरिमामय कुर्सी पर आपके निर्विरोध चुने जाने पर मैं आपको दिल से बधाई देता हूं। मान्यवर, सिर्फ हम लोग ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में, पूरे जनमानस में जबसे आपका नाम प्रकाश में आया है, निश्चित तौर से सभी के चेहरों पर खुशी की लहर आयी है। यह खुशी की लहर गांवों में, गलियारों में, दुकानों में और चौराहों पर भी है। मुझे व्यक्तिगत तौर पर आपके बारे में जानकारी है, आपके साथ मुझे लम्बे टाइम से काम करने का मौका मिला है, मैं आपसे अच्छी तरह से परिचित हूं। सरकार में रहकर भी और विपक्ष में रहकर भी, हर मौके पर मुझे आपके साथ रहने का मौका मिला है। आपके अनुभवों के बारे में हम सभी सदस्यों को उम्मीद है और विश्वास है और हम लोग इस सदन के संचालन में पूरा सहयोग देंगे और जो अध्यक्ष के पद के लिये चुनाव हुआ है, उससे निश्चित तौर से इस सदन के इस गरिमामय पद का जो गौरव है, उसमें चार चांद लगे हैं। हम लोग उम्मीद करते हैं कि इस सदन का आप बेहतर संचालन करेंगे और आपके संचालन से इस सदन का और पूरे उत्तर प्रदेश का बहुत लाभ होगा। धन्यवाद।

श्री धर्मपाल यादव डी0 पी0 यादव-

मान्यवर, सदन के इस सर्वोच्च पद पर आपके चुने जाने पर मैं आपको बधाई देता हूं और आपके विषय में माननीय नेता सदन और अन्य दलों के नेतागणों द्वारा जो कुछ बताया गया है उससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं। मान्यवर, मैं यह मानता हूं कि व्यक्ति का चरित्र, स्वभाव और आचरण पद की गरिमा को और भी बढ़ा देते हैं। हम आपसे अपेक्षा रखते हैं और यह जरूर चाहते हैं कि जो छोटे दलों के सदस्य और निर्दलीय सदस्य चुन करके हाउस में आये हैं, आप अपनी निष्पक्षता और स्वभाव को बरकरार रखते हुए उन सभी सदस्यों को अपने क्षेत्र की समस्याएं रखने का पूरा मौका देंगे। यह बहुत ही बे-इंतहा खुशी की बात है कि एक पिछड़े वर्ग और पिछड़े इलाके, कच्चे रास्तों और गरीबी में पलने वाला इन्सान इस सर्वोच्च पद तक आज पहुंचा है। यह हम जैसे तमाम लोगों के लिये बेइन्तहा खुशी की बात है और मैं यह जरूर चाहता हूं जैसा कि आपका स्वभाव है और अब तक आपके बारे में मैंने जो सुना और जाना है आप

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

उससे भी बढ़ करके उन तमाम निर्दलीय सदस्यों को, छोटे दलों के सदस्यों को संरक्षण देंगे ताकि उनको अपनी बात कहने का मौका मिले और उनकी क्षेत्र की समस्याओं का निराकरण एवं निवारण हो।

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्य गौरी शंकर जी ने अपने उद्गार व्यक्त करने के लिये इच्छा जाहिर की है, उनको अवसर दिया जाता है।

श्री गौरी शंकर एडवोकेट-

माननीय अध्यक्ष जी, इस हाऊस की एक परम्परा रही है कि विभिन्न दलों के दलीय नेताओं के साथ ही अगर किसी माननीय सदस्यगण ने इच्छा व्यक्त की है आज के इस अवसर पर अपने भाव व्यक्त करने के लिये अनुमति मांगी है तो उसको दिया गया है। मैं आभारी हूं कि आपने मुझे दो शब्द कहने का अवसर दिया। मान्यवर, एक लम्बे राजनीतिक जीवन में मैं भी सबसे कम उम्र का विधायक 1974 में चुनकर आया था। तब मुझे इस अवसर पर जो रोमांच हुआ था जिस तरह से लुकाछिपी के अन्दर अध्यक्ष जी को ढूंढा जाना, प्रो0 वासुदेव सिंह जी छुपे बैठे थे, नेता सदन, नेता विरोधी दल और अन्य दलों के नेताओं ने मशक्कत करके बड़ी मुश्किल से उनको ढूंढ़कर उस आसन तक पहुंचाया था। आज हम पुनः उस रोमांच का अनुभव कर रहे हैं। आप जैसे व्यक्ति जो सरल हैं, सुबोध हैं, सम्यक् हैं और आज की परिस्थिति में बहुत प्रासांगिक हैं। आपकी जो विनम्रता है वह दूसरे लोगों को निश्चित रूप से प्रभावित करेगी। मैं सबसे कम उम्र का था और बहुत से हमारे वरिष्ठ सहयोगी थे। आज बहुत वक्त बीत गया है 1974 से वर्ष 2007 चल रहा है। उनमें कितने लोग इस माननीय अध्यक्ष के पद पर विराजमान हुये, कितनी स्मृतियां हम सबके मस्तिष्क में आज भी हैं और उनके उदाहरणों से हम सभी लोगों को बहुत प्रेरणा मिलती है। बहुत से माननीय सदस्यगण आये, बहुत से नेता सदन, नेता विरोधी दल और अन्य दलों के नेतागण भी यहां पर अपनी-अपनी प्रतिभाओं की छाप छोड़कर गये हैं। जो खास तौर से नये आते हैं, प्रथम बार आते हैं उनके लिए ये क्षण विशेष रूप से स्मरणीय होते हैं। कल से हमने तिवारी जी और हमारे पुराने साथी ओझा जी ने शपथ-ग्रहण का सिलसिला चलाया। हमने बहुत से माननीय सदस्यों को देखा है जो प्रथम बार में आये हैं। कल की परिपाटी से हम लोगों ने जैसा अनुभव किया है कि लगभग एक तिहाई मेम्बरों का रिपीटीशन होता है, दो-तिहाई नये सदस्य या 60 प्रतिशत नये सदस्य आते हैं। बहुत से लोग अवसर पाते हैं, बहुत से दोबारा, तिबारा चुने जाने से वंचित हो जाते हैं। इतने लम्बे कार्यकाल में हमने बहुत से माननीय सदस्यों को देखने का, हर उम्र के लोगों को देखने का अवसर मिला है। हम अपने आपको सौभाग्यशाली समझते हैं कि दादा भी इस सदन के सदस्य हमारे साथ रहे, उनके बेटे भी रहे और उनके पोते भी रहे और हमने उन्हें इस माननीय सदन के सदस्य के रूप में पाया। बहुत से साथी कल ऐसे

मिले जिनके नाना हमारे साथ में विधायक थे। उनके बाद उनके मामा और उनके नाती भी चुनकर आये हैं। तीन पीढ़ियों का एक समावेश आज के दिन की प्रांसगिकता को सिद्ध करता है। यह जो संदर्भ आये हैं उनसे हम सब लोग सीखते हैं और आगे की पृष्ठिभूमि को बनाते हैं। हम आज के दिन आपको बधाई देते हैं। हम सभी लोग बहु खुश हैं कि आप एक गरीब समाज से आये हैं और गरीब समाज की जो संवेदनशीलता है वह आपके व्यक्तित्व में भरी हुई है, हम सभी को उससे प्रेरणा मिलेगी। एक बार पुनः आपके अध्यक्ष चुने जाने पर मैं अपनी ओर से अंतर्मन का भाव व्यक्त करता हूं और हार्दिक बधाई देता हूं। उस कुर्सी पर विराजमान होकर ऐसा उदाहरण बने कि आगे आने वाली पीढ़ियां तक उन स्मृतियों को याद रखें। इन शब्दों के साथ एक बार पुनः आपको हार्दिक बधाई और अभिनन्दन के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

*श्री लालजी टण्डन-

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं उन लोगों में रहा हूं जो सदन को सुव्यवस्थित चलाने में हमेशा विश्वास करते हैं। इसमें जो महत्वपूर्ण रोल होता है वह उस आसन का होता है जहां आप विराजमान हैं। वहां पर आपको बैठे देखकर मुझे विश्वास होता है कि आप सदन को सुचारु रूप से चलाने में सफल होंगे इसमें हम सबका आपको सहयोग मिलेगा। मान्यवर, कभी-कभी बहुत प्रशंसा करने वाले लोगों से भी सावधान रहने की जरूरत होती है। ऐसे ही प्रमोद तिवारी जी से थोड़ा सावधान रहने की जरूरत है पता नहीं किस जगह पर इनकी कला-कुशलता हो जाय और बात को घुमाकर कहां से कहां पहुंच जाय। ऐसे लोगों से आप सावधान रहेंगे। आप सदन के ऐसे सदस्यों को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं इसलिए कहीं कठिनाई नहीं होगी। मैं आपको सहयोग का आश्वासन देता हूं और आपकी सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

*श्री धनीराम वर्मा-

अध्यक्ष जी, सबसे पहले मैं इस आसन पर आप जैसे शालीन व्यक्ति को बैठे हुए देखकर महान हर्षित हुआ। आपके निर्विरोध चुने जाने पर मैं हार्दिक बधाई देता हूं। मैं इतना अवश्य कहूंगा कि आप पक्ष-विपक्ष में सामन्जस्य स्थापित करते हुए सदन संचालित करेंगे। इस समय यह जरूर आकांक्षा है जैसा कि टण्डन जी ने इशारा किया कि भाषण माफियाओं पर अंकुश जरूर रहे। अगर ऐसा रहेगा तो नए सदस्य जो चुनकर आए हैं उनको अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का अवसर मिलेगा। यहां पर आपके सामने बड़ी प्रशंसा करेंगे लेकिन बाद में गालियां देते हैं। ऐसे बहुत से लोगों को मैंने देखा और सुना है ऐसे लोगों से बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। इसी में आपकी सबसे बड़ी सफलता होगी। मुझे भी उस आसन पर बैठने का अनुभव है, वहां बैठकर सही निर्णय भी दें लेकिन कुछ लोग उसे गलत ही मानते हैं। इसलिए सही निर्णय देने में

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

संकोच मत करिए इसी में सफलता है। अन्त में मैं आपको शुभकामनांए और बधाई देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं।

*श्री सतीश महाना-

मान्यवर, आज इस ऐतिहासिक क्षण में भारत वर्ष की सबसे बड़ी विधान सभा के सर्वोच्च पद पर आप आसीन हुए हैं मैं आपको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। मैं पूर्व सदस्यों और नेताओं ने जो अपने विचार व्यक्त किए हैं उनके विचारों से अपने को समबद्ध करता हूं। आप विद्वान हैं, सरल हृदय हैं इस पर किसी प्रकार की आशंका नहीं है लेकिन जिस पद पर आप आसीन हैं उस पर से सभी का ध्यान रखना होगा। यह सदन पक्ष और विपक्ष दोनों से मिलकर चलता है जिस प्रकार एक ही सिक्के के दो पहलू होते हैं उसी प्रकार पक्ष और प्रतिपक्ष होता है। सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी निश्चित रूप से अधिक होती है लेकिन प्रतिपक्ष की भी जिम्मेदारी उससे कम नहीं होती है। जनता की समस्याओं को यहां पर भलीभांति उठाकर जनता को राहत पहुंचाने का काम इस सदन का है। पूर्व में कभी ऐसे अवसर आये हैं जिस समय उस पीठ से टिप्पणी की गई किसी भी सदस्य के लिये जब वह बोलने के लिये खड़े होते हैं कि आपकी बात आ गई। आपका नाम अखबार में छप गया। मान्यवर, हम यहां पर अखबार में अपना नाम छपवाने के लिये, किसी प्रेस या इलेक्ट्रानिक मीडिया तक अपनी बात कहने के लिये नहीं आते हैं। हम यहां पर जनता की समस्या को उठाने के लिये और उसका निराकरण करने के लिये आते हैं। मान्यवर, जैसा मैंने आपको कहा कि मैं आपको व्यक्तिगत रूप से बहुत अच्छी तरीके से जानता हूं। आपके साथ व्यक्तिगत रूप से साथ रहने का लम्बा समय से अवसर प्राप्त हुआ है। इस बात का विशेष रूप से कृपापूर्वक ध्यान रखियेगा इसका मुझे विश्वास है। एक बात हमारे बड़े भाई आदरणीय प्रमोद जी ने विदेश के आपके सम्बन्ध में कही है कि बहुत सारी बातें यहां नहीं बतायेंगे, मुझे विश्वास है कि ये कुछ भी नहीं बतायेंगे क्योंकि जिनके अपने घर शीशे के होते हैं वे दूसरे के घर में पत्थर नहीं मारते। इसलिये आप उस ओर से निश्चिंत रहें उस सम्बन्ध में मैं आपके साथ हूं। आपको एक बार फिर बहुत सारी शुभकामनाएं। इस सदन की गरिमा बढ़े और यह सदन अपने उस उद्देश्य को पूरा कर सके जिस उद्देश्य के साथ जनता ने हमको चुनकर सदन में भेजा है। मुझे पूरा विश्वास है कि आपके संरक्षण में हम सब उसको पूरा करेंगे। आपको पुनः एक बार बहुत-बहुत बधाई।

कुमारी मायावती-

माननीय अध्यक्ष जी, आज आपको अध्यक्ष पद पर चुने जाने पर हमारी पार्टी के लोग बहुत ज्यादा खुश हैं और इसलिये भी ज्यादा खुश हैं कि आज हाऊस में श्री प्रमोद कुमार जी, बाबा साहब अम्बेडकर जी की सोच का जो नीला रंग था और बहुजन समाज पार्टी का भी नीला

---

*वक्ता ने भाषण का पुनर्रीक्षण नहीं किया।

रंग है, उस रंग में रंगे हुए नजर आ रहे हैं और साथ में हमारी बहिन जी (श्रीमती अमीता सिंह) भी रंगी नीली नजर आ रही हैं।

डा0 कौशल किशोर-

आपने अपने को नीले रंग में नहीं रंगा।

कुमारी मायावती-

मैं तो बहुत पहले रंग चुकी हूं। मैं अब आप सब लोगों को रंगने में लगी हुई हूं।

विधान सभा का निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने पर सभी सदस्यों को भी अध्यक्ष का धन्यवाद

श्री अध्यक्ष-

आदरणीय नेता सदन माननीय मुख्य मंत्री जी, आदरणीय सम्मानित सदस्य नरेश अग्रवाल जी, आदरणीय नेता भारतीय जनता पार्टी, आदरणीय नेता भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, आदरणीय नेता लोक दल, आदरणीय नेता भारतीय जन शक्ति, राष्ट्रीय स्वाभिमान पार्टी, आदरणीय नेता राष्ट्रीय परिवर्तन दल और हमारे बुजुर्ग और सम्मानित और मार्ग-दर्शक सदस्य माननीय लालजी टण्डन जी, पूर्व में इस पद पर आसीन माननीय धनीराम वर्मा जी, माननीय सदस्य गौरी शंकर जी, आज हिन्दुस्तान की सबसे बड़ी विधान सभा गौरवमयी विधान सभा में निर्विरोध अध्यक्ष पद पर आसीन होने के बाद हमारे आदरणीय नेतागण ने जो उद्गार व्यक्त किये हैं, मैं उनके प्रति तहे दिल से सबको नमन करते हुए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। (मेजें थपथपाई गईं) यह सम्मान और आर्शीवाद जो मिला है उसके लिये मैं आपका आभारी हूं और इससे ज्यादा मैं इससे आश्वस्त हूं कि आपने मुझे जो विश्वास दिलाया है हर दल के माननीय नेता लोगों ने कि सदन को संचालित करने में हम लोग भरपूर प्रयास करेंगे। यह आपका सबसे बड़ा आर्शीवाद है। क्योंकि हम सब जो इस गौरवमयी सदन में बैठे हैं। मैं आप सबको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि सदन का संचालन संविधान और नियमावली की परम्पराओं के पालन में ही जन समस्याओं को सही रूप देने का आधार है। इस सदन में मैं विश्वास दिला रहा हूं इसकी बहुत बड़ी गरिमा है। अभी प्रमोद कुमार जी ने संकेत दिया कि आज हमारे जैसा साधारण आदमी, जहां राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन जी बैठे हों और उस पर आप सब लोगों ने जो आसीन करने के लिए, इस आसन पर बैठाने के लिए, निर्विरोध चयन किया, मैं बार-बार विश्वास दिलाता हूं कि सदन कभी एक पक्षीय नहीं होता है, यह सत्ता और विपक्ष की दो धुरियां हैं इसी के आधार पर वह चलता है और हमारी बराबर कोशिश रहेगी कि सदन की पहचान एक पक्षीय न होने पावे।

(मेजें थपथपाई गईं)

और इस कोशिश में आप सब लोगों का सहयोग होना चाहिए। हमें भी इस सदन में सदस्य के रूप में बैठने का मौका मिला, जितना चर्चाओं और डिबेट में आनन्द आता है और प्रदेश की जनता की झोपड़ियों तक संदेश जाता है कि आज जिस तरह से मेरी समस्याओं की चर्चा सदन में हुई है वह उस दिन अपने-अपने जनप्रतिनिधियों को दुआयें देता है। उस क्षेत्र की जनता दुआयें

देती हैं कि कम से कम सदन में बैठकर चाहे जन समस्यायें हों, चाहे कानून-कायदे पास होते हों, सब पर डिवेट हुआ है। सत्ता पक्ष, हमारे माननीय मंत्रि-परिषद के सदस्यगण सरकार की नीतियों को, पक्षों को, सदन में बताने की कोशिश करते हैं वहीं हमारा विपक्ष सत्ता की कमियों को, संसदीय प्रणाली, लोकतांत्रिक सिस्टम से कमियों को उजागर करता है। कभी-कभी परिस्थितियां आई हैं कि विपक्ष के अच्छे सुझावों के बाद बहुत से विधेयकों में संशोधन किया है। इसलिए दोनों की नैतिक जिम्मेदारी बनती है। मैं जानता हूं सदन में भी रहा हूं कभी-कभी टकराहट की भी स्थितियां उत्पन्न हुई हैं। मैं विश्वास दिला रहा हूं और आपसे सहयोग मांग रहा हूं कि टकराहट होना स्वभाविक है लेकिन उसको कड़वाहट में न बदला जाए। कड़ुवेपन में न लिया जाए। दिल में कहीं गांठ न बांधी जाए। हंसी-खुशी के माहौल में जब सदन चलेगा तो मैं पूरा विश्वास दिला रहा हूं नेता सदन जी को, अन्य सम्मानित सभी दलों के नेताओं को कि निष्पक्षता और संसदीय परम्पराओं का पालन हो और जो यहां कि प्रक्रिया संचालन नियमावली है और संविधान के अनुच्छेदों का जो उल्लेख है, सदन जिस तरह से संचालित होना चाहिए मैं पूरी कोशिश करूंगा लेकिन यह मेरे अकेले बस की बात नहीं है। मैं तो केवल आपको कह सकता हूं कि आप बोले या आसन ग्रहण कर लें। लेकिन पूरी चर्चा, जो आपके उद्गार होंगे वह मा0 नेतागण, मा0 सदस्यगण के होंगे। मैं तो चाहता हूं कि जो नये सम्मानित सदस्य चुनकर आए हैं हम सब मिलकर उनको ज्यादा से ज्यादा अवसर दें और उनको नियमावली के उल्लिखित नियमों और परम्पराओं को बतावें, ताकि जो हमारी नई प्रतिभायें आई हैं और जिस तरह से, जिस क्षेत्र से बड़ी दुख तकलीफ के बाद आए हैं वह एक प्रतिभा के रूप में अपने क्षेत्र में जाएं। हमारा भरपूर प्रयास होगा कि माननीय सदस्य जो नये चुनकर आए हैं और सदन में बैठे हैं, हमारे अनुभवी सदस्य जो बैठे हैं। टण्डन जी जैसे तमाम लोग उनके आचरण, ज्ञान का लाभ वह लोग ले लें ताकि एक जनप्रतिनिधि किस परेशानी से इस सदन में पहुंचते हैं, कितनी दुख तकलीफ सहकर मानसिक और शारीरिक तकलीफ सहते हैं तब इस सदन के सदस्य बनते हैं। कभी-कभी टकराहट की स्थिति में मैंने देखा है ऐसे शब्दों का प्रयोग होता है कि आज इस सदन की चर्चा गांव में दूसरे रूप में होने लगी है। इसको दूसरा स्वरूप दे रहे हैं इसलिए मैं गौरवमयी स्वरूप देने के लिए, गौरवमयी सदन के लिए पूरी तरह विश्वास दिला रहा हूं कि निष्पक्षता और समस्याओं का जो भी उल्लेख होगा एक समुचित निर्णय और एक अच्छा वातावरण बनाने के लिए आपके सहयोग की अपेक्षा करता हूं। साथ ही साथ मैं बराबर इस बात के लिए कोशिश करूंगा कि आप सबका सहयोग मिले। मैंने एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में बहुजन समाज पार्टी में काम किया है, मैं आभार प्रकट करता हूं, अपनी नेता सदन को कि उनमें पहचानने की जो क्षमता है, चाहे कोई गरीब ही हो, अगर उसमें कहीं न कहीं अनुशासन और लगन है तो वह हमेशा सम्मानित स्थानों पर चयन करने में वरीयता जरूर देती हैं। आज मैं इस सदन में नेता सदन का, कोई राजनैतिक माहौल के आधार पर नहीं, उनका एक कार्यकर्ता होने के नाते भी उनका बहुत बड़ा आभार प्रकट

करता हूं। नेता सदन ने ही जब हमको प्रस्तावित किया है तो मैं अन्य सभी दलों के मा0 नेताओं का भी आभार प्रकट करता हूं कि आपने हमारे नेता सदन के निर्णय को सहर्ष स्वीकार करके हमें निर्विरोध चयन किया है। मैं पुनः आप सबको हार्दिक बधाई देता हूं और सभी वरिष्ठ नेताओं से हम निवेदन करते हैं कि हमारे नये सदस्यों के लिये एक उद्बोधन का कार्यक्रम चलाया जाय जिससे हमारे नये सदस्यों को कहीं न कहीं इस संसदीय प्रणाली, इस सदन की गरिमा और जो हमारी नियमावली है, उसके आधार पर सूचना देने, समस्याएं उठाने आदि के तौर-तरीके की जानकारी हो सके। मैं विश्वास दे रहा हूं कि यह अकेले हमारे बस की बात नहीं है। आप सबका सहयोग मिले, मैं अकेले कुछ नहीं कर पाऊंगा। आप सहयोग देंगे तो आप जितनी चर्चायें करना चाहें, करें, जिन मुद्दों पर प्रदेश की समस्यायें उठाना चाहें, उठायें। मा0 नरेश चन्द्र अग्रवाल जी हमारे वरिष्ठ नेता हैं, कहीं निष्पक्षता में कटौती नहीं होने पायेगी। लेकिन सदन एक आदर्श प्रस्तुत करे और संदेश जाये झुग्गी-झोपड़ियों में कि 'नहीं' वहां वरिष्ठ लोग बैठ करके सदन में एक अच्छी चर्चा करते हैं।

इन्हीं अपेक्षाओं के साथ मैं पुनः आपका तहे दिल से स्वागत करता हूं, नमन करता हूं। अब आज हम उठते हैं, 21 मई को पूर्वाह्न 11.00 बजे पुनः बैठेंगे।

(इसके बाद सदन का उपवेशन अपराह्न 4 बजकर 9 मिनट पर सोमवार, दिनांक 21 मई, 2007 को दिन के 11 बजे तक के लिये स्थगित हो गया)।

लखनऊ,

दिनांक 18 मई, 2007

राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय,

प्रमुख सचिव, विधान सभा,

उत्तर प्रदेश।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

पी0एस0यू0पी0-एल0 191 विधान सभा (327)-10-7-07-813 (कम्प्यूटर)।